



युवाओं को रोजगार उन्मुखी शिक्षा प्रदान करना सरकार का उद्देश्य है - सांसद संतोष पांडे

दिग्विजय महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव एवं पदक वितरण समारोह का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव का वार्षिक उत्सव एवं पदक वितरण का आयोजन 26 फरवरी को किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि



दिग्विजय महाविद्यालय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से सुसज्जित महाविद्यालय है। वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराना संस्था का संकल्प है। छात्र हित में विभिन्न प्रकार के नवाचार महाविद्यालय में प्रारंभ किए गए हैं। कैम्पस प्लेसमेंट में

महाविद्यालय का पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान है एवं एनआईआरएफ में देश में 45 वां स्थान है। छठवें सेमेस्टर में छात्रों के लिए इंटरनैशियल कोर्स के लिए विभिन्न संस्थाओं से एमओयू किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद संतोष पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि

युवाओं को रोजगार उन्मुखी शिक्षा प्रदान करना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। हर क्रांति के पीछे युवा शक्ति होती है। वह प्रत्येक चुनौतियों का सामना साहस एवं जोश के साथ करती हैं। विकसित भारत 2047 के सपने को पूरा करने की जिम्मेदारी हम सबके कंधों पर है। मां भारती की सेवा करना युवाओं का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। महाविद्यालय के जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष अतुल रायजदा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जन भागीदारी समिति, महाविद्यालय में निरंतर छात्र

हित में कार्य कर रही है। महाविद्यालय में छात्रों के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है साथ ही उनके प्रत्येक समस्याओं का समाधान करने के लिए जन भागीदारी समिति प्रतिबद्ध है। इस समारोह में प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के द्वारा महाविद्यालय में चार कमरों के निर्माण के लिए मांग रखी गई जिसे सांसद महोदय ने पूर्ण करने का आश्वासन दिया। अतिथियों द्वारा विभिन्न कक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 84 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

महाविद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए जया ठाकुर को गोल्ड मेडल दिया गया। इस कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, सहकारी समिति के अध्यक्ष सचिन बघेल, कोमल सिंह राजपूत, राजेंद्र गोलछा, रमेश पटेल, चिट्टी सोनकर सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। समारोह के उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. सोनल मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अमिता बक्शी ने किया। महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन में छात्र - छात्राओं द्वारा

हस्तकला एवं पेंटिंग प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर दिग्विजय महाविद्यालय के छमाही समाचार पत्र दिग्विजय कैम्पस का 20 वां अंक का विमोचन किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ के संस्कृति एवं भारतीय लोक कला पर केन्द्रित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन प्रो. वंदना मिश्रा, डॉ. भारती सोनी एवं आभार प्रदर्शन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ. अनीता शंकर के द्वारा किया गया। बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

स्टार्टअप इकोसिस्टम विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.सुचित्रा गुप्ता के निदेशन में इनक्यूबेशन सेल के समन्वयक डॉ. केशव राम आडिल, कार्यशाला के आयोजन सचिव वंदना मिश्रा, एवं लिकेश्वर सिन्हा के मार्गदर्शन में इनक्यूबेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। प्राचार्य डॉ. गुप्ता ने कहा कि सीमित साधनों में सकारात्मक संसाधनों पर तब्दिल करना ही स्टार्टअप है। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि एनआईटी, रायपुर डॉ. आर. एन. पटेल ने बताया कि स्टार्टअप उसमें करो जिसमें आसपास के लोगों को फायदा हो लोगों के नीड को पहचानना और उसका समाधान करना ही स्टार्टअप है।

अवसर को सुजन करना ही स्टार्टअप है। अगर समाज में समस्या है तो उसका समाधान भी है इस समाधान को तलाशना स्टार्टअप है उन्होंने अपने वक्तव्य में परंपरागत व्यापार एवं स्टार्टअप व्यापार के अंतर को समझाया। किसी भी आईडिया के साथ मार्केट का होना अति आवश्यक है और साथ में एक कुशल टीम का होना आवश्यक है तभी आपका व्यापार सफल हो पाएगा। जब इन्वेंशन मार्केट से जुड़ता है और व्यापार करता है तो वह इनोवेशन कहलाता है अगर इनोवेशन को व्यापार नहीं मिलेगा तो वह केवल इन्वेंशन बन कर सीमित हो जाएगा। मुख्य अतिथि रुपेश कुमार चौबे, गोकुल ग्रामोद्योग पदुमतरा, राजनांदगांव ने आन्प्रेंयोरशिप के बारे में बताया कि यह क्या है ऐसा विचार जो नया समाज के लिए उपयोगी होता है वही आन्प्रेंयोरशिप है।



किसी भी स्टार्टअप या व्यापार के लिए मेंटरशिप का होना आवश्यक - डॉ. आर. एन. पटेल इन्वेंशन तभी इनोवेशन बनता है जब वह मार्केट से जुड़ कर व्यापार करता है - डॉ. पटेल

ऐसा परंपरागत उत्पादों को नवीन रूप में बदलना एवं उसे जन उपभोग के लिए बनाना ही आन्प्रेंयोरशिप है। कुछ ऐसा जो अभी तक किसी ने नहीं किया वहीं स्टार्टअप है। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप इंडिया से सरकार से प्राप्त होने वाली विभिन्न स्कीमों के तहत आर्थिक सहयोग के बारे में बताया। और अपने मशरूम उद्योग के अपने रिसर्च एवं उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से चर्चा किया। किसी भी उद्योग को सफल बनाने के लिए उसमें तकनीकी सहयोग की बहुत आवश्यकता होती है। कार्यक्रम का संचालन वंदना मिश्रा और लिकेश्वर सिन्हा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक ल, अतिथि व्याख्याता, एवं भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

इनक्यूबेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम पर कार्यशाला का सफल आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वाशासी महाविद्यालय में इनक्यूबेशन सेल के तत्वावधान में इनक्यूबेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आवश्यकता विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निदेशन में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों में उद्यमिता की भावना जगाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा संस्थानों में स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालना था। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. आर.एन. पटेल (एन आई टी, रायपुर), डॉ. मयंक पांडे जीजीवी बिलासपुर, अर्पित चैहान, एकौ मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बिलासपुर, आकाशंश सिंह जीजीवी, बिलासपुर, श्री रुपेश चैबे ग्रामोद्योग पदुमतरा मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित थे।

प्राचार्य डॉ.सुचित्रा गुप्ता ने इनक्यूबेशन सेल के समन्वयक डॉ. केशव राम आडिल, कार्यशाला के आयोजन सचिव वंदना मिश्रा, एवं श्री लिकेश्वर सिन्हा के मार्गदर्शन में इनक्यूबेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप 9%बलन कर किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन समन्वयक डॉ. केशव राम आडिल ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता बताई। प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए



स्टार्टअप को अत्यंत आवश्यक मानती है। उन्होंने जोर दिया की कोई भी शोध यदि केवल प्रयोगशाला तक सीमित रहेगा तो उसका कोई औचित्य नहीं है। शोध तभी सार्थक होता है जब वह वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान करे। उन्होंने विद्यार्थियों को कौशल विकास पर बल देते हुए बेहतर जीवन-यापन के लिए उद्यमिता अपनाने की सलाह दी। प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता डॉ. मयंक पांडे (जीजीवी, बिलासपुर) ने परंपरागत व्यापार एवं स्टार्टअप में नवाचार के अंतर को स्पष्ट किया तथा कहा कि स्टार्टअप समाज में क्रांति लाता है। यदि हर व्यक्ति अपने कौशल को रोजगार में बदल ले तो सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने स्टार्टअप में सफलता के लिए महाभारत के पांच पांडवों के सिद्धांत का उदाहरण दिया युधिष्ठिर की सत्यनिष्ठा, अर्जुन का लक्ष्य-केन्द्रित दृष्टिकोण, भीम की मेहनत, तथा नकुल-सहदेव को चतुराई एवं चालाकी। विशिष्ट अतिथि अर्पित चैहान (फाउंडर एवं सीईओ, एकौ मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बिलासपुर) ने अपनी उद्यमिता यात्रा की मार्मिक कहानी साझा की। उन्होंने असफलताओं को सफलता में बदलने की प्रक्रिया, चुनौतियों का सामना तथा विश्वसनीय टीम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप तभी सफल होता है जब वह समाज की किसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करे।

द्वितीय दिन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. आर. एन. पटेल (एनआईटी, रायपुर) ने मेंटरशिप की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि किसी भी स्टार्टअप या व्यापार के लिए मेंटरशिप अनिवार्य है। इन्वेंशन तभी इनोवेशन बनता है जब वह बाजार से जुड़कर व्यापार करता है। उन्होंने स्टार्टअप को समाज की आवश्यकताओं को पहचानकर अवसर सुजन करने की प्रक्रिया बताया तथा कुशल टीम एवं बाजार जुड़ाव के बिना सफलता मुश्किल होने की बात कही। विशिष्ट अतिथि रुपेश कुमार चैबे (गोकुल ग्रामोद्योग, पदुमतरा) ने उद्यमिता की परिभाषा देते हुए कहा कि नया एवं समाज के लिए उपयोगी विचार ही उद्यमिता है। परंपरागत उत्पादों को नवीन रूप देकर जन-उपभोग के लिए उपलब्ध कराना उद्यमिता है। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया स्कीमों के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता तथा अपने मशरूम उद्योग की तकनीकी प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। प्राचार्य डॉ. गुप्ता ने समापन पर कहा कि सीमित साधनों में सकारात्मक संसाधनों का निर्माण ही स्टार्टअप है। कार्यक्रम का संचालन वंदना मिश्रा एवं लिकेश्वर सिन्हा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक/ सहायक प्राध्यापक हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, प्रियंका दास, कौशिक बिशी, अमितेश सोनकर, योगेश्वर कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यशाला ने छात्रों में उद्यमिता, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत किया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्यों उच्च शिक्षा में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित कर स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित करने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

ग्लैमर जगत और पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं - अभिनेत्री सुरभि श्रीवास्तव



राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निदेशन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के मार्गदर्शन में वैल्यू एड्डेड कोर्स के अंतर्गत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रभारी प्राचार्य डॉ. अमिता बक्शी, मुख्य अतिथि एफटीआईआईई (भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्था) पुणे से प्रवेश कुमार, सकारी दामाद फिल्म की मुख्य अभिनेत्री सुरभि श्रीवास्तव, अभिनेता यशवंत आनन्द एवं छत्तीसगढ़ी फिल्म सकारी दामाद की पूरी टीम की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत ने उद्बोधन में रेखांकित किया कि

आज के डिजिटल युग में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी न केवल एक ट्रेंडिंग रिकल्प है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने और लाभार्जन करने का एक सशक्त माध्यम भी है।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. अमिता बक्शी ने पत्रकारिता विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का व्यावहारिक ज्ञान बढ़ता है। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में फिल्म सकारी दामाद के क्रिएटिव राइटर ने विद्यार्थियों को पटकथा लेखन और कथानी को दृश्यों में खलने की बारिकियों से अवगत कराया। वहीं फिल्म की मुख्य अभिनेत्री सुरभि श्रीवास्तव ने ग्लैमर जगत और पत्रकारिता के अंतर्संबंधों पर चर्चा करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। बस आवश्यकता है तो कड़े परिश्रम

पत्रकारिता विभाग में सकारी दामाद की टीम और FTII के विशेषज्ञ से विद्यार्थियों ने सीखे फिल्म मेकिंग के गुर, ग्लैमर जगत और पत्रकारिता के अंतर्संबंधों पर बहसूब...

और निरंतर सीखने की ललक की। सत्र के दौरान फिल्म मेकिंग की तकनीकी बारिकियों और सिनेमा की बदलती प्रवृत्तियों पर भी विस्तृत जानकारी साझा की गई। यह पूरा आयोजन एक संवादात्मक सत्र के रूप में रहा। जहाँ विद्यार्थियों ने बेझिझक होकर फिल्म के लिए लेखन, केमरा तकनीक, लाइट सेटअप और एडिटिंग से जुड़े अपने सवाल विद्यार्थियों के समक्ष रखे। विशेषज्ञों द्वारा दिए गए ताकिक और संतोषजनक उत्तरों से विद्यार्थी अत्यंत लाभान्वित हुए, जिससे उनकी रचनात्मक सोच को एक नई दिशा मिली। कार्यक्रम का संचालन कु. बिहा की बारिकियों से अवगत कराया। वहीं फिल्म की मुख्य अभिनेत्री सुरभि श्रीवास्तव ने ग्लैमर जगत और पत्रकारिता के अंतर्संबंधों पर चर्चा करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। बस आवश्यकता है तो कड़े परिश्रम

बहुविषयक राष्ट्रीय कार्यशाला अनुसंधान पद्धति के नवीन रुझान एवं भावी आयाम

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वायत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के पीएम उसा सेल द्वारा बहुविषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में अनुसंधान ज्ञान-विस्तार का ही नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी विकास का आधार बन चुका है। बहुविषयक अनुसंधान की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि जटिल समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न विषयों के समन्वय की आवश्यकता होती है। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों को अनुसंधान के सिद्धांतों, पद्धतियों, तकनीकों एवं व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना था, ताकि वे उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान कार्य कर सकें कार्यशाला का शुभारंभ अत्यंत गरिमामय वातावरण में हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. राजेश पाण्डेय ने कहा कि अनुसंधान केवल शैक्षणिक आवश्यकता नहीं, बल्कि समाज के विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बहुविषयक अनुसंधान की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में समस्याओं का समाधान तभी संभव है जब विभिन्न विषयों का समन्वय किया जाए। डॉ. संजय थिस्के ने अनुसंधान पद्धति की मूलभूत अवधारणाओं को अत्यंत सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अनुसंधान में नैतिकता एवं सत्यनिष्ठा अत्यंत महत्वपूर्ण है, अनुसंधान के प्रकार मौलिक, अनुप्रयुक्त, क्रियात्मक एवं रूपांतरणात्मक,



अनुसंधान समस्या का चयन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से होना चाहिए, शोध प्रश्न एवं परिकल्पना अनुसंधान की दिशा निर्धारित करते हैं, उन्होंने यह भी बताया कि एक सफल शोध वही होता है जो समाज के लिए उपयोगी हो। द्वितीय दिवस - डॉ. आशीष झा का व्याख्यान उन्होंने अनुसंधान डिजाइन के विभिन्न प्रकारों को विस्तार से समझाया गुणात्मक, मात्रात्मक एवं मिश्रित विधियों, सैपलिंग तकनीक एवं नमूना आकार निर्धारण, अनुसंधान योजना का निर्माण उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि सही डिजाइन अनुसंधान की सफलता की कुंजी है। डॉ. अलका मिश्रा ने साहित्य समीक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य समीक्षा से शोध की दिशा स्पष्ट होती है, शोध अंतर की पहचान आवश्यक है। तृतीय दिवस - डॉ. गुणवन्त गाडेकर ने प्लेगारिज्म के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह अनुसंधान की विश्वसनीयता को प्रभावित करता है उचित संदर्भ देना अनिवार्य है। चिरंजीव पाण्डेय ने डिजिटल दूरस के उपयोग पर व्यावहारिक जानकारी दी एवं डेटा विश्लेषण, डेटा प्रबंधन एवं सुरक्षित भंडारण में सहायक हैं। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को सही जर्नल चयन प्रक्रिया के बारे में भी बताया।



विश्वास मेश्राम, नोडल अधिकारी एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं बल्कि विचारों को व्यक्त करने का एक सशक्त साधन भी है। एक

पुस्तक लेखन पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

राजनांदगांव। पीएम उषा सेल द्वारा किताब लेखन कार्यशाला - विचार से प्रकाशन तक विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन रुपा 2.0 के सहयोग से किया गया, जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में ज्ञान के प्रसार और शोध कार्यों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के लिए पुस्तक लेखन अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके विचारों, शोध परिणामों एवं अनुभवों को व्यवस्थित रूप से पुस्तक के रूप में प्रस्तुत करने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। मुख्य अतिथि एम. डी. कावरे (IAS) आयुक्त, रायपुर संभाग ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में ज्ञान और सूचना का युग है, जहाँ विचारों का सही दस्तावेजीकरण और प्रकाशन अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक लेखन केवल एक रचनात्मक गतिविधि नहीं बल्कि समाज और अपने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का स्थायी स्रोत भी है। आज के युवा केवल पाठक बनकर न रहें बल्कि लेखक बनने का भी प्रयास करें। किसी भी समाज की प्रगति में ज्ञान सुजन और उसके प्रकाशन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विश्वास मेश्राम, नोडल अधिकारी एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं बल्कि विचारों को व्यक्त करने का एक सशक्त साधन भी है। एक



लेखक का दायित्व होता है कि वह समाज में सकारात्मक सोच और जागरूकता का प्रसार करे। डॉ. श्रुति झा सहायक निदेशक, राज्य RUSA कार्यालय ने कहा कि RUSA जैसी योजनाएँ उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस प्रकार की कार्यशालाएँ विद्यार्थियों और शिक्षकों को नई शैक्षणिक संभावनाओं से परिचित कराती हैं। निलेश रामटेके, छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा ने कहा कि युवा पीढ़ी को विज्ञान और समाज से जुड़े विषयों पर लेखन के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यदि विद्यार्थी अपने आसपास की समस्याओं पर शोध और लेखन करेंगे तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। प्रशांत सुखदेवे, छत्तीसगढ़ विज्ञान सभा ने कहा कि लेखन एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को व्यापक समाज तक पहुँचा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग करते हुए अपने लेखन को अधिक लोगों तक पहुँचाएँ। पी. एन. राव, अंतरराष्ट्रीय FIDE Chess Arbiter ने अपने उद्बोधन में कहा कि शतरंज की तरह ही लेखन में भी धैर्य, एकाग्रता और रणनीति की आवश्यकता होती है। किसी भी पुस्तक या लेख को लिखने से पहले उसके विषय, संरचना और उद्देश्य को स्पष्ट रूप से समझना

आवश्यक होता है। कार्यक्रम में जिला समन्वयक डॉ. माजिद अली ने कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं युवा लेखकों को पुस्तक लेखन की संपूर्ण प्रक्रिया से परिचित कराना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को पुस्तक की योजना तैयार करने, शोध आधारित सामग्री विकसित करने, संदर्भ शैली प्लेगारिज्म जागरूकता, कॉपीराइट एवं दृक्कह पंजीकरण तथा प्रकाशन प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जा रही है।

संयोजक डॉ. संजय थिस्के ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री एम. डी. कावरे (IAS), आयुक्त रायपुर संभाग सहित सभी विशिष्ट अतिथियों का कार्यशाला में पधारकर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. थिस्के ने महाविद्यालय की प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. सुचित्रा गुप्ता का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से इस राष्ट्रीय कार्यशाला का सफल आयोजन संभव हो सका। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार की ओर से सभी मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों को सम्मान स्वरूप स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यशाला में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया है भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की।

संपादकीय...

महाविद्यालय ज्ञान का मंदिर है। यहां से विद्यार्थी को नैतिक मूल्यों, सामाजिक चेतना और कौशल विकास के साथ ही व्यक्तित्व निर्माण रूपी महाप्रसाद मिलता है। यही वह सार तत्व है जिससे उनको अपने सामाजिक, सांस्कृतिक सरोकारों का बोध होता है। सहकारिता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं जिम्मेदारी जैसे गुणों को विकसित करने का अवसर मिलता है। इस मशीनी युग में केवल डिग्रियां प्राप्त कर लेने से ही सफलता प्राप्त नहीं हो सकती बल्कि कौशल विकास का प्रशिक्षण लेकर अपने आपको मांजते हुए आगे बढ़ा जा सकता है। जीवन में तमाम तरह की चुनौतियां से लड़ने का तरीका या हौसला होना आवश्यक है। जिससे विद्यार्थी एक अच्छा नागरिक बन सके। इस महाविद्यालय में इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास प्रयास किए जाते हैं। क्रीडा के क्षेत्र मे महाविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां उगखनीय रहती है। अनेक अन्य शिक्षण एवं औद्योगिक संस्थानों से महाविद्यालय का ओ. एम.यू करके छात्र-छात्राओं के समग्र विकास के लिए इन संस्थाओं के साथ मिलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही रोजगार मार्गदर्शन सेल, महिला प्रकोष्ठ इकाई, आइ क्यू ए सी सेल, एन एस एस इकाई, एन सी सी इकाइयों के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा निखरती है। साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है। हमारा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता जी के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आधुनिक शिक्षण पद्धतियां, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, शैक्षणोत्तर गतिविधियां, सांस्कृतिक क्रियाकलाप तथा रचनात्मक कार्यक्रमो के माध्यम से छात्रों को उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था का लाभ विद्यार्थियों को मिलता है। प्रत्येक विभाग अपने कैलेंडर के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करते हैं। दिग्विजय केपसग समाचार पत्र भी दिग्विजय महाविद्यालय की समस्त गतिविधियों के प्रस्तोता के साथ ही विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रस्तुत करने का माध्यम भी है। डॉ बी नंदा जागृत...

सेक्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता



राजनांदगांव। सेक्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन दिग्विजय स्वशासी स्नातको्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) स्थित ऑट्टोडोरियम में किया जा रहा है इसमें राजनांदगांव का कवर्था, कोरिया, रामगोला, गडई, खैरागढ़ की टीम में भाग ले रही है उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि अतुल रायजदा के साथ प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनिता महिश्कर, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, पी.के.हरी, दीपक परगनिह रजिस्ट्रार, डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर तथा अनिता नायर उपस्थित थे। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रारंभ में डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि शतरंज खिलाड़ियों को एकाग्रता स्मरण शक्ति और तार्किक सोच मजबूत करता है वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ी काफी अं%छा प्रदर्शन कर रहे हैं प्रभारी प्राचार्य डॉ अनिता महिश्कर ने कहा कि शतरंज के खेल में योजना बनाने जोरिखम समझने और सही

समय पर निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है शतरंज खेलते समय खिलाड़ी को शांत और अनुशासित रहना पड़ता है मुख्य अतिथि अतुल रायजदा ने कहा कि शतरंज में उम्र कद काठी या शारीरिक शक्ति का कोई विशेष महत्व नहीं होता सबकी प्रतिभागियों को समान अवसर मिलता है सेक्टर स्तर पर चयनित खिलाड़ी भाग राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। प्रतियोगिता के पहले दौर में पुरुष वर्ग में दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) प्रथम, डोंगरगढ़ द्वितीय, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय तृतीय तथा कवर्था महाविद्यालय चतुर्थ स्थान पर है महिला वर्ग में प्रथम दौर में दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) प्रथम, दूसरे स्थान पर कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय, तीसरे स्थान पर नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़, चौथे स्थान पर कहां कवर्था महाविद्यालय है कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी अरुण चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, नरेश वर्मा तथा रामू पाटी उपस्थित थे।

सुखरी के अमित का सीआईएसफ में चयन

राजनांदगांव। जिले के डोंगरगांव ब्लॉक के ग्राम सुखरी निवासी रामनेलास एवं सरिता के पुत्र अमित कुमार का चयन सीआईएसफ में हुआ है। प्रारंभ से ही मेधावी रहे अमित कुमार की प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक शाला सुखरी में एवं माध्यमिक तथा उच्चतर शिक्षा हई स्कूल सोनेसरार में हुई है तथा वर्तमान में वे दिग्विजय महाविद्यालय में बीएससी छठ्ठे सेमेस्टर में नियमित छात्र के रूप में अध्ययनरत है। अमित कुमार के परिवार में माता-पिता के अलावा एक बड़ी बहन पावल है। अमित कुमार के पिता ने बताया कि उनके परिवार में अमित पहला व्यक्ति है जो सकाराी नौकरी में जा रहा है। अमित कुमार की उपलब्धि में दिग्विजय महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परगनिह ने हर्ष वक्त करके हुए बताया की अमित कुमार महाविद्यालय में नियमित विद्यार्थी के साथ-साथ एससीसी नेवल के कैडेट भी है जिसने एससीसी नेवल में बी सर्टिफिकेट पास कर लिया है। अध्ययन करते हुए ही किसी भी छात्र का चयन सीआईएसफ जैसे प्रतिष्ठित सेवा में होना एक गर्व की बात है। महाविद्यालय परिवार अपने इस सेनहार छात्र के पैरा मिलिट्री में चयन पर गौरवान्वित है तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में विद्यार्थियों लहराया परचम



राजनांदगांव। यातायात शाखा राजनांदगांव द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था दुर्घटना इंसा की गलतियों से होती है, ना की व्यवस्था की जिसमें दिग्विजय के छात्रों ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया प्रथम स्थान प्राप्त किया विषय वास्तनिक और द्वितीय स्थान प्राप्त किया मेधा श्री मिश्रा ने। निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न स्कूलों छात्रों ने तथा दिग्विजय कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परचम लहराया निबंध का विषय था बढ़ते सड़क हदसों के कारण और निदान पहला स्थान प्राप्त किया चेतन सिन्हा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया माही सिंह ने और तीसरा स्थान प्राप्त किया साक्षी शर्मा ने। यातायात शाखा द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया और सभी विद्यार्थियों को पुलिस विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. सुमित्रा गुप्ता, प्राध्यापक डॉ अनिता शंकर, रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिह ने विजेता सभी विद्यार्थी के उ%ज्वल भविष्य की कामना की और अपने आशीष वचन में विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया।

उच्च शिक्षा में थिकल एआई पर 7 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा में नैतिक एआई एकीकरण अवसर एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित 7 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सातवें दिवस पर सफल समापन हुआ। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में RDC (संयोजक डॉ. प्रीति बाला टांक) एवं IQAC (संयोजक प्रो. युनुज राजा बेग) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रायोजक महाविद्यालय का स्वशासी प्रकोष्ठ था। समापन दिवस पर प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में बताया कि भारत तेजी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अग्रसर है और विश्व के प्रमुख AI उत्पादक देशों में शामिल होने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रहा है। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में AI की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक के साथ सामंजस्य स्थापित कर नए आयाम प्रस्थापित किए जा सकते हैं। कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. गुलाम मुस्तफा अंसारी (सहायक प्राध्यापक, शासकीय मॉडल कॉलेज सोमनौ) ने »Ethics and Challenges of AI« विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने एथिक्स के महत्व को रेखांकित करते हुए AI के उपयोग से जुड़ी विभिन्न नैतिक चुनौतियों जैसे डेटा गोपनीयता, पक्षपात (bias) और जिम्मेदार उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही प्रतिभागियों को Microsoft Copilot पर हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस कराकर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया। द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. डीकेश्वर निषाद (सहायक प्राध्यापक, SKS कॉलेज ऑफ एप्लीकन्स एंड रिसर्च स्टेशन, सूरगी) ने »AI Enabled Agriculture« विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन संभव है। AI आधारित एप्लीकेशनों की सहायता से फसलों में रोगों की पहचान, उनके उपचार की त्वरित



ज्ञानकारी तथा उत्पादन में वृद्धि जैसे कार्य अधिक प्रभावी ढंग से किए जा सकते हैं। इसके पश्चात IQAC संयोजक प्रो. युनुज राजा बेग द्वारा पूरे सात दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने तकनीकी विकास की यात्रा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम से लेकर वर्तमान AI युग तक का उग्रेख करते हुए बताया कि कैसे अनेक चुनौतियों के बाद आज हम इस उन्नत तकनीकी दौर में पहुंचे हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रो. हिंद बहादुर ठाकुर द्वारा सभी वक्ताओं, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. वंदना मिश्रा द्वारा प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। इस सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के सफल आयोजन में HRDC एवं IQAC के सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा। यह कार्यक्रम शिक्षकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ, जिसने उन्हें आधुनिक तकनीकी चुनौतियों के प्रति सजग एवं सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष सहयोग महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परगनिह एवं मुख्य लिपिक मंजुषा बाजपेजी ने दिया।

प्राणीशास्त्र विभाग की शैक्षिक यात्रा विशाखापानम एवं अराकु घाटी में विद्यार्थियों ने किया पारिस्थितिकी और जैव विविधता का अध्ययन

राजनांदगांव। प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा चिरंजीव पाण्डेय एवं करुण रावटे के नेतृत्व में प्राणीशास्त्र स्नातकोत्तर अंतिम एवं पूर्व के विद्यार्थियों ब्रह्म दहडू विशाखापनम एवं अराकु घाटी की तीन दिवसीय शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया। इस शैक्षिक भ्रमण में 15 विद्यार्थियों एवं 5 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता, भू-आकृतिक संरचनाओं तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का प्रत्यक्ष अध्ययन कराना था। यात्रा के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों ने रामकृष्ण बीच, पनडुब्बी संग्रहालय, टीयू-142 विमान संग्रहालय तथा यूएफ-34 हेलीकॉप्टर संग्रहालय का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नौसेना रक्षा प्रणाली, समुद्री वातावरण तथा गहरे समुद्र के जीवों के अनुकूलन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही 1971 के युद्ध की स्मृति में स्थापित समुद्री विजय स्मारक का अवलोकन कर विद्यार्थियों ने भारतीय नौसेना के योगदान के बारे में जाना।



द्वितीय दिवस में अराकु घाटी, बोर गुफाएँ, काटिकी जलप्रपात, दुमुकोड़ा व्यू प्वाइंट तथा जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों ने प्राकृतिक जैव विविधता, गुफा पारिस्थितिकी, जलप्रपात पारिस्थितिकी एवं आदिवासी समुदायों की सतत जीवन शैली का अध्ययन किया। अराकु वनस्पति उद्यान, कॉफी बागान एवं चॉकलेट फैक्ट्री के भ्रमण से विद्यार्थियों को पादप विविधता, जैविक खेती तथा खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों की जानकारी मिली। तृतीय दिवस में विशाखापनम बंदरगाह, थोटलाकोडा बौद्ध मठ, गश्किोडा तट, टेनेटी पार्क तथा वेंकटेश्वर स्वामी देवालय का भ्रमण किया गया। विद्यार्थियों ने तटीय पारिस्थितिकी, मानव गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव तथा

शहरी हरित क्षेत्रों के महत्व को समझा। इसके अतिरिक्त इंदिरा गांधी फिडियुशर में विभिन्न पक्षियों, स्तनधारियों एवं सरीसृपों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया, जिससे वन्यजीव विविधता के प्रति विद्यार्थियों की समझ और रुचि बढ़ी।

इस शैक्षिक भ्रमण ने विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने का अवसर प्रदान किया। संकाय सदस्यों ने यात्रा के दौरान विभिन्न पारिस्थितिक अवधारणाओं को स्थल पर समझाया तथा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व से अवगत कराया। महाविद्यालय प्रशासन ने इस शैक्षिक भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बनाते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। विद्यार्थियों ने इस यात्रा को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें प्रकृति, समुद्री पारिस्थितिकी तथा सांस्कृतिक विरासत के बारे में प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

यातायात सड़क सुरक्षा माह पर जन जागरूकता रैली व नुकड़ नाटक



राजनांदगांव। समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा यातायात सड़क सुरक्षा माह पर जन जागरूकता रैली व नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। उक्त रैली व नुकड़ नाटक का आयोजन प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों और यातायात पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा नुकड़ नाटक का आयोजन गंज चौक एवं जय स्तंभ चौक पर जन जागरूकता हेतु विभिन्न नारे लगाए गए एवं नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुकड़ में विभिन्न स्थानों के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा आम जनता के मध्य सड़क सुरक्षा नियम व सड़क दुर्घटनाओं से बचने का संदेश दिया गया। ताकि लोगों को सड़क दुर्घटना में होने वाले हानि से बचाया जा सके। इस नुकड़ नाटक के माध्यम से आम जनता को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, तीन सवारी न चलने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने हेतु अपील की गई। प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता ने

अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य का जीवन अत्यंत अनमोल है। मनुष्य के अपने परिवार और समाज के प्रति दायित्व होते हैं जिनका उनको निर्वहन करना होता है। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने-अपने परिवार के लिए अनमोल है जिसकी जगह कोई अन्य कभी नहीं ले सकता इसलिए स्वयं की और अपने परिवार के सदस्यों को सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। सीमित रफ्तार में वाहन चलाने से वाहन बेहतरे नियंत्रण होने से दुर्घटना होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ ए.के. मंडवी ने संबोधित करते हुए कहा कि कभी भी नशे का सेवन कर वाहन नहीं चलाना चाहिए एवं यातायात के नियमों का आवश्यक रूप से पालन किया जाना चाहिए। उक्त कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. मंडवी, डॉ प्रियंका लोहिया, चित्रांशु राठौर एवं समाज कार्य विभाग से तारणी साहू, शालिनी सोनी एवं यातायात पुलिस के अधिकारी वरुण कुमार सहयोग उप निरीक्षक यातायात शाा, कपिल श्रीवास्तव यातायात विभाग एवं समाज कार्य विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेक्टर स्तरीय खो खो प्रतियोगिता का आयोजन

राजनांदगांव। जिला मुख्यालय में शासन के खेल कैलेण्डर अनुसार सेक्टर स्तरीय महिला खो खो प्रतियोगिता का आयोजन अरुण कुमार चौधरी क्रीडाधिकारी दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के मार्गदर्शन में गुजराती विद्यालय के मैदान में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ सुचित्रा गुप्ता प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के मुख्य आतिथ्य एवं सुषमा शुक्ला प्राचार्य गुजराती विद्यालय के अध्यक्षता में हुआ। डॉ सुचित्रा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा की खो खो एक पारंपरिक खेल रहा है जा आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। प्रतियोगिता में कुल 10 महाविद्यालय की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफाइनल डोंगरगांव एवं अंबागढ़ चौकी महाविद्यालय के मध्य खेला गया जिसमें चौकी महाविद्यालय की टीम विजेता रही। द्वितीय सेमी फाइनल छुरिया एवं डोंगरगांव महाविद्यालय के मध्य खेला गया जिसमें छुरिया महाविद्यालय विजेता रही। प्रतियोगिता का फाइनल मैच



अंबागढ़ चौकी एवं छुरिया महाविद्यालय के मध्य खेला गया जिसमें छुरिया महाविद्यालय प्रतियोगिता के दौरान दीपक कुमार परगनिह रजिस्ट्रार दिग्विजय महाविद्यालय, परेश वर्मा क्रीडाधिकारी विज्ञान महाविद्यालय, डॉ नीता नायर क्रीडाधिकारी कमला महाविद्यालय, डॉ मुन्नालाल नंदेश्वर क्रीडाधिकारी डोंगरगढ़ महाविद्यालय, श्री सोनवानी क्रीड़ा अधिकारी अंबागढ़ चौकी, कुमारी रामेश्वरी क्रीड़ा अधिकारी डोंगरगांव महाविद्यालय, हेमनारायण क्रीड़ा अधिकारी छुरिया महाविद्यालय अनीता पोषार्थी क्रीड़ा अधिकारी शासकीय महाविद्यालय गडई, कु मधु यादव क्रीड़ा अधिकारी बाजार अतरिया एवं रामू पाटिल उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक अजय रामटेक, सौरभ एवं गणिकेश मेश्राम थे।

दिग्विजय महाविद्यालय एवं महिला महाविद्यालय, भिलाई के मध्य समझौता

राजनांदगांव। भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई एवं शासकीय दिग्विजय स्नातको्तर स्वशासी महाविद्यालय, राजनांदगांव के मध्य दिनांक 26 मई 2026 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करना तथा शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करना है। इस समझौते के अंतर्गत फैकल्टी एक्सचेंज, स्टूडेंट एक्सचेंज, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेमिनार, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, कार्यशालाएँ तथा संयुक्त शोध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई से प्राचार्य प्रतिभा छाया क्लॉडियस एवं IQAC प्रभारी डॉ. भावना पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, राजनांदगांव से प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता, IQAC प्रभारी युनुस राजा बेग, महाविद्यालय के रजिस्ट्रार



दीपक परगनिह एवं सहायक प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान) डॉ. सोनल मिश्रा उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान दोनों महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने इस पहल को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि यह समझौता विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए एक अवसरों के द्वार खोलेंगा तथा ज्ञान, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में सकारात्मक एवं रचनात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगा। यह समझौता दोनों संस्थानों के मध्य आपसी सहयोग, संसाधनों के आदान-प्रदान तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

क्रॉस कंट्री में दिग्विजय की छात्राओं ने परचम लहराया, प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर कब्जा किया



अधिकारी अरुण कुमार चौधरी, रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिह, रामू पाटिल सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकों को तथा कर्मचारियों ने बधाई दी।

राजनांदगांव। मनसा कॉलेज भिलाई में आयोजित क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय का छात्राओं ने तीनों स्थान पर अपना कब्जा बना लिया हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी कॉलेजों के छात्राओं ने इस सर्षा में भाग लिया। प्रथम स्थान भागवती साहू बीकॉम 61th सेमेस्टर द्वितीय स्थान निशा साहू दिग्वि 61th सेमेस्टर तथा साक्षी यादव 61th सेमेस्टर में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन खिलाड़ियों के कोच कान्ता प्रसाद यादव है। यह तीनों छात्राएँ लगातार 3 सालों से अखिल भारतीय स्तर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करती आ रही है। छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुचिता गुप्ता, डॉ शैलेन्द्र सिंह, क्रीड़ा

दिग्विजय महाविद्यालय के भूगोल विभाग में प्रथम पीएचडी. प्रस्तुति

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.) के भूगोल विभाग ने एक नया इतिहास रच दिया, जब विभाग से बी.ए. तथा एम.ए. डीग्री प्राप्त कर व्याख्याता पद पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, हदवी में पदस्त श्री टिकेश्वर कुमार वर्मान ने गवादिवासी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं एवं मानव स्वास्थ्य की गुणवत्ता- मोहाल-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के विशेष संदर्भ में भूगोल पर अपनी प्री.पीएच.डी. पी.पी.टी. के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अनिता माहिश्वर, डॉ. अमिता बक्शी, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ.एच.एस. अल्लेराजा, डॉ. निवेदिता ए. लाल (कमला कॉलेज), डॉ. के.एस. गुरुचंच, डॉ. श्रद्धा साहू तथा शोधार्थी उपस्थित होकर अपना बहुमूल्य सुझाव दिये। यह शोध कार्य डॉ. कृष्ण नंदन प्रसाद, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, कृष्ण विभाग, के निर्देशन में किया गया है और हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में पीएचडी उपाधि के लिए जमा किया जाना है।

खो-खो स्पर्धा में दिग्विजय कॉलेज बना विजेता



राजनांदगांव। शासकीय लाल चक्रधर शाह महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी द्वारा आयोजित सेक्टर स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का किताब दिग्विजय महाविद्यालय ने जीत के पहले मैच में दिग्विजय ने डोंगरगढ़ को 05 अंकों से पराजित फाइनल मुकाबले में दिग्विजय ने डोंगरगांव कॉलेज को 003 अंकों से पराजित किया। उपखनीय है कि विगत दो वर्षों से लगातार टीम विजेता बन रही है प्रतियोगिता में दिग्विजय महाविद्यालय की टीम इस प्रकार थी योगेंद्र (कप्तान) कुलदीप, देवेंद्र, गहल, नेमन, हिमांशु, चंदशेखर, खोमेश्वर, नयन, रविकांत, सुदीप और भूपेंद्र थे। टीम के कोच खिलेश्वर थे। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता, डॉ अमिता बक्शी, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, दीपक कुमार परगनिह, रामू पाटिल तथा महाविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बधाई दी।

अरुण चौधरी ने हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग के सर्वश्रेष्ठ क्रीड़ा अधिकारी



राजनांदगांव। हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय के अधीन आने वाले महाविद्यालय के किदाधिकारियों हेतु विभिन्न बिंदुओं के आधार पर सर्वश्रेष्ठ क्रिया अधिकारी हेतु पुरस्कार की घोषणा की गई थी विजय महाविद्यालय के लिए गौरवशाली चल रहा जब महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी अरुण चौधरी को सर्वश्रेष्ठ क्रीड़ा अधिकारी का पुरस्कार प्रदान किया गया पुरस्कार के अंतर्गत 150000 /- रुपये की राशि गोल्ड मेडल प्रशस्ति पत्र तथा प्रतीक चिह्न प्रदान किया गया पुरस्कार हेतु प्रतियोगिता आयोजन खिलाड़ियों का पदरत्न प्रशासनिक क्षमता प्रशिक्षण तथा खिलाड़ियों के विकास हेतु किया गया प्रयास नवाचार इन सारी बिंदुओं के आधार पर श्री चौधरी का चयन किया गया उपखनीय है कि श्री चौधरी सिविल सर्विसेस खेल में टेबल टेनिस में भी छठीसप्ताह का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। श्री चौधरी ने इस उपलब्धि पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता डॉ. शैलेन्द्र सिंह प्रो. हिंद बहादुर ठाकुर, प्रो. मंजरी सिंह, प्रो. विकास काण्डे, प्रो. युनुस राजा बेग, प्रो. केशव राम आडित, रामू पाटिल, रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिह सहित महाविद्यालय के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने बधाई दी।



आयोजन

यज्ञ एवं हवन के साथ धूमधाम से मनाया गया वसंत पंचमी का पर्व



राजनान्दागांव। दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य आदरणीया डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में संस्कृत विभाग द्वारा महाविद्यालय में वसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में स्थित विद्या की देवी वीणावादिनी माँ सरस्वती के समक्ष पूजा एवं हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। संस्कृत विभाग के अध्यापक डॉ. कृष्णदत्त त्रिपाठी जी द्वारा संपन्न इस यज्ञ में संस्था के प्राचार्य आदरणीया डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने मुख्य यजनमान के कार्य का निर्वहन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ विभाग के विद्यार्थियों द्वारा वैदिक स्वस्तिवाचन के मंत्रोच्चारण पूर्वक प्राचार्य महोदया के तिलक करण से किया गया। तत्पश्चात् सरस्वती पूजा एवं वैदिक मंत्रों से हवन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने आहुति प्रदान की। इस कार्यक्रम का समापन माँ सरस्वती की आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्या की देवी माँ सरस्वती से बुद्धि एवं विद्या प्राप्ति की कामना की गई। कार्यक्रम के पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत विभाग के डॉ. ललित प्रधान, डॉ. महेंद्र नापुरे के निर्देशन में एम.ए. पूर्वाह्न एवं एम. ए. उत्तराह्न के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था में संस्था के रजिस्ट्रार श्री दीपक परगनिहा का विशेष सहयोग रहा।

राष्ट्रीय बालिका दिवस का किया गया आयोजन



राजनान्दागांव। समाज कार्य विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन तथा समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. ए. के. मंडवो के मार्गदर्शन में किया गया। बालिका दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता, कविता पाठ एवं नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुकड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि बेटी को कभी भी मत समझो भार है जीवन का आधार, बेटी पर करें अभिमान जन्म होने पर करें सम्मान, बेटी है देश की पहचान वही माता-पिता है महान विभिन्न स्लोगन एवं नुकड़ नाटक के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा नुकड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य महोदया द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य समाज में बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना है। बेटीयां समाज का आधार स्तंभ है, सृष्टि की सृजन करता है, देश का भविष्य है। विभागाध्यक्ष डॉ.ए. के. मंडवो द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज में विभिन्न स्तर पर सशक्त महिलाएं व बालिकाएं हैं। वही दूसरी ओर ऐसी बालिकाएं भी हैं जो आधारभूत सुविधाओं से वंचित है। शासन के द्वारा इन दिशा में समय-समय पर बहुत सी सुविधाओं को बालिकाओं के लिए प्रेषित की गई है ताकि उन्हें किसी भी प्रकार से कोई असुविधा उत्पन्न ना हो जिससे कि उनके व्यक्तित्व का समुचित विकास संभव हो सके। इन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ ए.के. मंडवो, डॉ. प्रियंका लोहिया, तारणी साहू, चित्रांश राठौर एवं शालिनी सोनी व समाज कार्य विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन

राजनान्दागांव। महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस का सफल आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन एवं महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ मीना प्रसाद के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने भाषण एवं कविता पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो अनोता शंकर ने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान परिवेश में बालिकाएं समस्त पुरानी वर्जनाओं को तोड़कर समरूपता के नए आयाम कायम कर रही हैं आज बेटों और बेटियों में कोई अंतर नहीं है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की बेटियां देश का परचम लहरा रही हैं। संयोजिका डॉ मीना प्रसाद ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। इसका उद्देश्य समाज में बालिकाओं के प्रति भेदभाव को मिटाना है। बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य व पोषण के प्रति जागरूक बनाना एवं बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करना है। इसकी शुरुआत में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा की गई कविता पाठ में चेतना सिंह ने दरवाजा माही सिंह पहती हुई स्त्रियां चंदनी साहू वाह रे समाज, रोशनी बेटे का सम्मान है जग में, प्रिंसी तुम जग की नारी हो, गजेंद्र सपने जो थे ममता साहू, अदिति पटेल, अनोता, नमेश जब-जब जन्म लेती है बेटियां जैसी भावुक एवं प्रेरणादायक कविता का पाठ किया। भाषण में विनय साहू ने नारियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण की आवश्यकता विनय वासनिाक ने नारी सर्व शक्तिशाली मेधाश्री मुस्कुराए आप महिला है जैसे प्रासंगिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ स्वयंसिद्धा झा, श्रीमती रोहिणी, डॉ गायत्री साहू, कु तेजस छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ आराधना गोस्वामी ने किया।

दिग्विजय कालेज में गौ विज्ञान परीक्षा

राजनान्दागांव। छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा संचालित राज्य स्तरीय गौ विज्ञान परीक्षा का आयोजन आज शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया। प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुई इस परीक्षा में कुल 25 पंजीकृत विद्यार्थी शामिल हुए। परीक्षा प्रभारी डॉ शंकर मुनि राय ने परीक्षा से पहले अपने देश में गाय के महत्व पर व्याख्यान दिया। आपने कहा कि हमारे कुषि प्रधान देश में गाय के गोबर से लेकर गोमूत्र, दूध और बछड़े का भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा प्रेषित सूची के अनुसार गौ संरक्षण संवर्धन संबंधी सामूहिक प्रतिज्ञा भी ली गई।

राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर जागरुकता एवं संरक्षण कार्यक्रम

राजनान्दागांव। राष्ट्रीय पक्षी दिवस के अवसर पर शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय राजनान्दागाव में पक्षी संरक्षण, जैव विविधता तथा पर्यावरणीय संतुलन के महत्व को रेखांकित करने हेतु एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा समाज के अन्य वर्गों में पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा वर्तमान समय में पक्षियों के सामने उत्पन्न हो रही चुनौतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं पर्यावरण प्रेमियों की ओरखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के स्वागत एवं उद्घाटन संबोधन से हुआ। अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में उन्होंने कहा कि पक्षी केवल प्रकृति की शोभा ही नहीं है, बल्कि वे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि परागण, बीज प्रसार, कीट नियंत्रण और खाद्य श्रृंखला के



पक्षियों के प्रवास पैटर्न में परिवर्तन

संतुलन में पक्षियों का योगदान अमूल्य है। डॉ. गुप्ता ने यह भी जोख किया कि बढ़ता शहरीकरण, वनों की कटाई, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षियों के प्राकृतिक आवास तेजी से नष्ट हो रहे हैं, जिससे उनकी कई प्रजातियाँ संकटग्रस्त हो गई हैं।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संजय ठीसके ने पक्षियों की विविधता, उनके वर्गीकरण, व्यवहार तथा प्रवास पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. ठीसके ने

बताया कि भारत पक्षी विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध देश है, जहाँ सैकड़ों प्रजातियों के स्थानीय एवं प्रवासी पक्षी पाए जाते हैं। उन्होंने प्रवासी पक्षियों की लंबी यात्राओं, उनके मार्गों तथा इन यात्राओं के दौरान आने वाली चुनौतियों की वैज्ञानिक व्याख्या की। अपने व्याख्यान में उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षियों के प्रवास पैटर्न में परिवर्तन देखने को मिल रहा है, जो भविष्य में पारिस्थितिक असंतुलन का

कारण बन सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को पक्षी अवलोकन (बर्ड वॉचिंग) को एक वैज्ञानिक रचि के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. माजिद अली ने पक्षी संरक्षण के वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी जीव के संरक्षण के लिए उसके आवास (हैबिटेट) का संरक्षण सबसे आवश्यक है। डॉ. अली ने बताया कि आदिभूमियाँ, वन क्षेत्र, घास के मैदान और जल स्रोत पक्षियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, किंतु मानवीय गतिविधियों के कारण ये क्षेत्र निरंतर सिकुड़ते जा रहे हैं। उन्होंने स्थानीय स्तर पर किए जा सकने वाले संरक्षण उपायों, जैसे वृक्षारोपण, जल स्रोतों की स्वच्छता, रासायनिक कीटनाशकों के सीमित उपयोग तथा सामुदायिक सहभागिता पर विशेष बल दिया। युवाओं से अपील की कि वे पक्षी संरक्षण को केवल एक दिवस तक सीमित न रखें, बल्कि इसे निरंतर चलने वाला अभियान बनाएं। चिरंजीव ने अपने संबोधन में कहा कि पक्षियों के संरक्षण के लिए बड़े

प्रयासों के साथ-साथ छोटे-छोटे व्यक्तिगत कदम भी अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि गर्मियों के मौसम में घरों की छतों, बालकनियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जलपात्र और दाना-पानी की व्यवस्था करना पक्षियों के जीवन के लिए सहायक हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों और आम नागरिकों से आग्रह किया कि वे बच्चों में बचपन से ही प्रकृति एवं पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करें। पांडेय ने कहा कि सामाजिक जागरूकता, जनभागीदारी और शिक्षा के माध्यम से ही पक्षियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजकों द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। राष्ट्रीय पक्षी दिवस के इस अवसर ने यह संदेश दिया कि यदि आज हम पक्षियों और प्रकृति की रक्षा करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। उक्त कार्यक्रम में विभाग के सभी विद्यार्थी एवं प्राध्यापक सम्मिलित हुए।

रसायन शास्त्र के विद्यार्थियों'द्वारा हर्बल उत्पाद निर्माण की अनूठी पहल



राजनान्दागांव। रसायन शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों द्वारा पिछले छह वर्षों से निरंतर हर्बल उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। यह सराहनीय कार्य प्राचार्या डॉ सुचित्रा गुप्ता के नेतृत्व एवं विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं मार्गदर्शक डॉ. डाकेश्वर वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट कार्य के अंतर्गत किया जा रहा है। यह पहल न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक रक्षता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि उन्हें स्वावलंबन, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में भी प्रेरित कर रही है।

डॉ.डाकेश्वर वर्मा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध औषधीय पौधों की पहचान, उनके रासायनिक गुणों,

उपयोगिता एवं प्रसंस्करण की वैज्ञानिक जानकारी दी जाती है। इसके पश्चात विद्यार्थी इन पौधों के आधार पर विभिन्न प्रकार के हर्बल उत्पाद जैसे हर्बल साबुन, शैम्पू, फेसवॉश, हैंडवॉश, हर्बल सैनिटाइजर, हैयर ऑयल, हर्बल क्रीम, दंतमंजन तथा प्राकृतिक कीट प्रतरोधक उत्पाद तैयार करते हैं। इन उत्पादों के निर्माण में रसायन शास्त्र के सिद्धांतों के साथ-साथ पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों का समन्वय किया जाता है। कुछ विद्यार्थियों को पुराने ग्रंथो मे उपस्थित प्रक्रिया के अनुसार विभिन्न प्रकार के भस्म जैसे की अभ्रक, गोदन्ति, मंडूर, कर्दवंक बनाने का भी प्रोजेक्ट कार्य दिया जाता है,

यह प्रोजेक्ट कार्य विद्यार्थियों के लिए केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें संपूर्ण प्रक्रिया कच्चे माल के चयन से लेकर उत्पाद निर्माण, गुणवा परीक्षण, पैकेजिंग और प्रस्तुतीकरण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। इससे विद्यार्थियों में शोध प्रवृत्ति, टीम वर्क, समस्या समाधान क्षमता और उद्यमिता कौशल का विकास होता है। कई विद्यार्थियों ने इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हर्बल एवं प्राकृतिक उत्पादों के क्षेत्र में भविष्य में स्टार्टअप शुरू करने की इच्छा भी व्यक्त की है।

डॉ. वर्मा का मानना है कि हर्बल उत्पादों का निर्माण पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ औषधीय पौधों की दृष्टि से अत्यंत

भौतिक शास्त्र विभाग के द्वारा पोषक विद्यालय संपर्क अभियान



राजनान्दागांव। पोषक विद्यालय संपर्क अभियान एवं विस्तार गतिविधि के अंतर्गत शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनान्दागांव के भौतिकशास्त्र विभाग के द्वारा प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं भौतिक शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ पी. बी. टाक के नेतृत्व में एक शैक्षणिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेश कुमार पटेल एवं लेखा प्रसाद उर्वशा द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आसरा में अध्ययनरत कक्षा 100वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। तथा उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे भविष्य में शिक्षा के नए अवसर संचर्षित होंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को हृद्यक्क2020 के प्रमुख प्रावधानों जैसे बहुविषयक एवं

लचीली शिक्षा व्यवस्था कौशल विकास और व्यावहारिक शिक्षा पर जोर विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धति नवाचार, ताकिक एवं आलोचनात्मक सोच का विकास उच्च शिक्षा में नए अवसर के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से समझाया गया। प्राध्यापकों ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को अधिक समावेशी, गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुखी बनाना है।

विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की तथा शिक्षा और करियर से संबंधित अपने प्रश्न पूछे, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य रोहित कुमार ताराम एवं शिक्षकगण का विशेष सहयोग रहा। यह कार्यक्रम विद्यालय एवं उच्च शिक्षण संस्था के बीच शैक्षणिक समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

समाज कार्य विभाग द्वारा पोषक विद्यालय संपर्क अभियान

राजनान्दागांव। प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन एवं समाज कार्य विभागाध्यक्ष ललिता साहू के मार्गदर्शन में समाज कार्य विभाग द्वारा पोषक विद्यालय संपर्क अभियान (अग्रणी दिग्विजय) एवं मोबाइल के दुष्प्रभाव पर जन जागरूकता रैली व नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया।

उपरोक्त गतिविधि में समाज कार्य विभाग के प्राध्यापक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने शासकीय 3०%चतर माध्यमिक विद्यालय, गडुला राजनान्दागांव में मोबाइल के दुष्परिणाम पर जन जागरूकता रैली निकाली गई व गांव का भ्रमण किया। विभागाध्यक्ष ललिता साहू एवं समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीन शिक्षा नीति 2020 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। विद्यार्थियों को पुरानी शिक्षा नीति एवं नवीन शिक्षा नीति के मध्य अंतर को समझाते हुए इनमें शिक्षा नीति 2020 के



महत्व पर प्रकाश डाला तथा दिग्विजय महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से समझाया उन्होंने विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन पर भी वक्तव्य दिया। साथ ही समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने नुकड़ नाटक के माध्यम से विद्यालय के विद्यार्थियों को मोबाइल से होने वाले शारीरिक, मानसिक व स्वास्थ्य दुष्प्रभाव तथा इससे कैसे बचा जा सकता है। इस संबंध में जानकारी दी। विद्यार्थियों को अवगत कराया गया कि किस प्रकार विद्यार्थी अपना अमूल्य समय मोबाइल में दुरुपयोग कर रहे हैं। मोबाइल

नि:संदेह तकनीक का एक अद्भुत उपहार है, लेकिन जब यह हमारी ज़रूरत से बढ़कर, लत, बन जाए, तो यह जहर की तरह काम करता है। मोबाइल के निरंतर इस्तेमाल से युवाओं में तनाव, अवसाद और एकाग्रता में कमी आ रही है। हम वचुंअल दुनिया में इतने खो गए हैं कि सामने बैठे अपनों से बात करना भूल गए हैं। इस पर भी नुकड़ के माध्यम से संदेश दिया गया। उक्त कार्यक्रम में समाज कार्य विभागाध्यक्ष ललिता साहू, तारणी साहू, शालिनी सोनी एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गडुला के प्राचार्य आर नामदेव तथा अन्य व्याख्याता एवं समाज कार्य विभाग के विद्यार्थी एवं गडुला स्कूल के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन स्थलों से अवगत



स्थल सूर्य मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, लिंगराज मंदिर, चिल्का झील, हीराकुंड बांध आदि पर्यटन स्थलों की विस्तृत जानकारी दी गई

प्रस्तुतीकरण के तीसरे चरण में एम.कॉम. 4th सेमेस्टर की छात्रा दिवंकल साहू ने भारत की राजधानी दिगी के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल लाल किला, कुतुब मीनार, इंडिया गेट, अश्वरथाम, जमा मस्जिद जैसे महत्वपूर्ण पर्यटनों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तत्पश्चात बी.कॉम 6th सेमेस्टर के छात्र करण सोनवानी ने पर्यटन के माध्यम से भारतीय की जी.डी.पी में योगदान देते हुए राजस्थान राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी। प्रस्तुतीकरण के अंतिम चरण में बी.कॉम द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा नेहा साहू ने

केरल राज्य का परिचय दिया जिसमें उन्होंने केरल राज्य की संस्कृति कला, प्रमुख नृत्य प्रमुख स्थलों की जानकारी देते हुए प्रमुख पर्यटन स्थलों से अवगत कराया। उपरोक्त प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत वाणिज्य विभाग की प्राध्यापक एच. सी. जैन, सुमन कोचर, स्वयं सिद्धा झा, डॉ प्रज्ञा मिश्रा डॉ.तरुणा वर्मा डॉ. देहूति बखोर एवं पूजा कुमारी उपस्थित थे7 उपरोक्त प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यटन की महत्ता से अवगत कराना,भारत देश की जी.डी.पी में पर्यटन का महत्व बतााना एवं विद्यार्थियों में प्रस्तुतीकरण क्षमता एवं आसुविश्वास का विकास करना था इस प्रकार सफलतापूर्वक पी.पी.टी प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया

अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण



राजनान्दागांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनान्दागांव के विद्यार्थियों द्वारा शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, नवा रायपुर एवं लोकवस्त्र रायपुर का भ्रमण किया गया। उक्त शैक्षणिक भ्रमण प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निरेक्षन एवं अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनोता शंकर के मार्गदर्शन में किया गया। संग्रहालय के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए आदिवासी संस्कृति, सभ्यता एवं जीवन शैली को समझने हेतु अभिनव पहल रही। ए आई तकनीक, क्यू आर कोड जैसे डिजिटल माध्यम से आदिवासी संस्कृति एवं जनजाति समाज का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में आदिवासी संस्कृति को जीवंत एवं डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। भ्रमण के दौरान लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लोक भवन के संपूर्ण परिसर का भ्रमण करया गया और वहां की व्यवस्था एवं कार्य प्रणाली से अगगत काया गया। सचिवालय की उत्तरसचिव निधि साहू के द्वारा सचिवालय कार्य प्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्था से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। उनके द्वारा विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान भ्रमण के अनुभव के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवा में आने हेतु प्रेरित किया एवं प्रतिगोणी परीक्षा के बारे में अपने अनुभव साझा किये। शैक्षणिक भ्रमण के द्वारा महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने आदिवासी संस्कृति, उनके गौरवशाली इतिहास एवं सचिवालय के प्रशासनिक कार्य प्रणाली को आदि को जाना। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिह, मंजुला सोनी, मंजरी सिंह वंकरा मिश्रा एवं ललित साहू एवं कला विज्ञान संकाय के विद्यार्थी एवं अचिंत घटोरे और नीतीशा उमरे एवं ई पी सारथी उपस्थित रहे।



दिग्विजय कॉलेज की सात छात्राओं का वेदांत बालकों में चयन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के रोजगार और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित प्लेसमेंट कैम्पस में सात छात्राओं का चयन वेदांत बालकों में हुआ है। इन छात्राओं ने पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनिंग पद पर बालकों वेदांता कोरबा में नौकरी का अवसर प्राप्त किया है। यह उपलब्धि कॉलेज की छात्राओं की मेहनत और प्रतिभा का प्रमाण है। चयनित छात्राओं में खिलेश्वरी पटेल, भानु चंदेल, पूर्णिमा साहू, प्राज्ञलि साहू, वीणा पटेल, यामिनी कुंभार और रेश्मा वर्मा शामिल हैं। यह उपलब्धि कॉलेज के लिए गर्व का क्षण है। प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपनी मेहनत और लगन का एक अच्छा परिणाम मिला है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे इसी प्रकार की मेहनत से काम करते रहें। दिग्विजय कॉलेज का नाम और राजनांदगांव शहर का नाम रोशन करें। रोजगार और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. संजय ठिसके ने बताया कि वेदांत बालकों से महाविद्यालय का काफी



दिग्विजय कॉलेज की सात छात्राओं ने वेदांत बालकों में हासिल की सफलता, दिग्विजय महाविद्यालय छात्रों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में प्रदेश में प्रथम स्थान

पुराना संबंध है। सन् 2007 से लगातार छात्र इस कंपनी में जा रहे हैं। विगत 2014-15 से सतत छात्र-छात्राओं के कैरियर के प्रति सजग है और उनके लिए

तहर-तहर के कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। उन्होंने बताया कि यह प्रकोष्ठ प्रकोष्ठ ने व्यक्तिव विकास की कोचिंग, क्लासेस, माॅक इंटरव्यू टेस्ट, करियर से संबंधित

विभिन्न प्रकार के कैम्पस आयोजित किए हैं। प्रकोष्ठ ने पिछले साल एक बहुत बड़े जॉब फेयर का आयोजन किया था, जिसमें 12 से ज्यादा कंपनियां छात्र-छात्राओं के लिए जॉब के अवसर लेकर आई थीं। इन्हीं सब बातों का परिणाम है कि दिग्विजय कॉलेज छात्रों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। डॉ. ठिसके ने इस सफलता का श्रेय प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन और अपनी टीम के सदस्यों की लगातार मेहनत को दिया है। भविष्य में प्रकोष्ठ छात्राओं के हित में इस प्रकार के कार्यक्रम लगातार आयोजित करता रहेगा। रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा ने इस उपलब्धि के लिए सभी छात्राओं तथा रोजगार प्रकोष्ठ को बधाई दी। इस अवसर पर रोजगार और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के डॉ. कैलाश देवांगन, डा पी बी टांक, श्री युनुस रजा बेग चिरंजीवी पांडे, अमितेश सोनकर, कोशिक बीशी और दीपक कुमार उपस्थित थे।

महाविद्यालय के विकास में जनभागीदारी समिति करेगा हर संभव प्रयास - अतुल रायजादा

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के जनभागीदारी समिति की बैठक जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अतुल रायजादा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता द्वारा सभी सदस्यों के स्वागत भाषण के साथ की गई। तत्पश्चात अध्यक्ष श्री रायजादा द्वारा मीटिंग के विभिन्न एजेंडा पर चर्चा की गई जिसमें महाविद्यालय में जिम में विभिन्न प्रकार के उपकरण जो पुराने हो चुके हैं उसके मरम्मत एवं आवश्यकता अनुसार नए उपकरण क्रय, विद्यार्थियों के बैठने हेतु ऑटोनाॅमस के बाहर कुर्सी की व्यवस्था, गुह विज्ञान विभाग में बर्तन, एनसीसी कक्ष की रिपेरिंग, आवश्यकता अनुसार कंप्यूटर प्रिंटर अलमारी क्रय तथा कुछ स्थानों पर रिपेरिंग के संबंध में चर्चा की गई जिस पर सभी सदस्यों ने अप बात रखी। महाविद्यालय के बालक छात्रावास के रिक्त स्थान पर



सुमित सिंह भाटिया, आशुतोष शर्मा, इशान्त शर्मा, साहिल गोलछा, अमितेश झा, मुकेश शर्मा महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अनिता महेश्वर, डॉ. अमिता बक्शी, महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा तथा प्रभारी लिपिक बसंती उपस्थित थे। बैठक का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. शैलेंद्र सिंह द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमिता बक्शी द्वारा किया गया।

एनएसएस शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला है - डॉ. सुचित्रा गुप्ता



राजनांदगांव। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा ग्राम घोरदा में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। 19 जनवरी से 25 जनवरी तक आयोजित इस शिविर में महाविद्यालय के स्वयंसेवक ग्रामीण विकास और सामाजिक जागरूकता के विभिन्न प्रकल्पों पर कार्य करेंगे। शिविर का विधिवत उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता, पूर्व जिला संगठक व भौतिक शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. एस.के. पटेल, ग्राम सरपंच सूर्यकांत साहू, जनपद सभापति (झोंगरांव) उमेश साहू, उपसरपंच एवं प्रमुद्ध ग्रामवासियों की उपस्थिति में हुआ।

प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि एनएसएस शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला है, जहाँ वे समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को सीखते हैं। डॉ. एस.के. पटेल ने शिविर के मुख्य विषय 'नशा मुक्त समाज के लिए युवा' पर चर्चा करते हुए युवाओं को सचेत किया कि आज के दौर में मादक पदार्थों के साथ-साथ 'मोबाइल की लत' भी एक गंभीर नशा है, जिससे बचना अनिवार्य है। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सार्षिण (इकाई 01) एवं प्रो.

ग्राम घोरदा में दिग्विजय महाविद्यालय के सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का भव्य आगाज, नशा मुक्त समाज के लिए युवा की थीम पर स्वयंसेवक दंगे सामाजिक सेवा का संदेश

करुणा रावटे (इकाई 02) के मार्गदर्शन में इस शिविर में कुल 100 स्वयंसेवक सहभागिता कर रहे हैं, जिनमें 40 छात्र और 60 छात्राएं शामिल हैं। शिविर के सुचारू संचालन हेतु छात्र नेतृत्व की घोषणा की गई शिविर नायक/नायिका शिवम यादव एवं टिकेश्वरी देवांगन उप शिविर नायक/नायिका रुस्तम रूटेटी एवं दिव्या यादव

सात दिनों तक चलने वाले इस विशेष शिविर के दौरान स्वयंसेवक ग्राम घोरदा में स्वच्छता अभियान, नशामुक्ति जागरूकता रैली, स्वास्थ्य सर्वेक्षण और बौद्धिक चर्चाओं के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद करेंगे। उद्घाटन सत्र के दौरान सरपंच एवं उपसरपंच ने स्वयंसेवकों को हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की।

उच्च शिक्षा संस्थानों हेतु उन्नत प्रयोगशाला उपकरणों पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम



राजनांदगांव। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में Advanced Laboratory Instruments for Higher Education Institutions विषय पर आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 06 मार्च 2026 को किया गया कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में तथा IQAC के संयोजक प्रोफेसर युनुस रजा बेग के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रारंभ में IQAC समन्वयक प्रो. युनुस रजा बेग ने कार्यक्रम की रूपरेखा को विस्तृत रूप में बताया। अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यशाला उच्च शिक्षा विभाग जल्लिसाहू शासन द्वारा प्रायोजित है। यह कार्यशाला अत्यंत व्यापक एवं उपयोगी होने वाली है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न प्रयोगशाला उपकरणों की उपयोगिता, उनके रखरखाव तथा उनके वैज्ञानिक प्रयोगों में प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी। यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, लैब टेक्नीशियन और लैब अटेंडेंट के लिए आयोजित है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की प्रयोगशाला वहीं की अनुसंधान संस्कृति और नवाचार की भावना का महत्वपूर्ण संकेतक होती है। समाज और राष्ट्र का विकास अनुसंधान तथा नवाचार के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में शैक्षणिक संस्थानों की प्रयोगशालाओं में होने वाला नवाचार और अनुसंधान अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र में प्रतिष्ठित वक्ता दिगंबर सिंह, मालिक, ALFA साइंटिफिक, सामान्य प्रयोगशाला उपकरणों और यंत्रों का रखरखाव विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय वैज्ञानिक दृष्टिकोण अर्थात Scientific Temper का युग है, जिसमें यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि कौन-सा उपकरण किस उद्देश्य के लिए प्रयोग किया जाता है और उसका उचित रखरखाव किस प्रकार किया जाए। उन्होंने प्रयोगशालाओं में उपयोग होने वाले विभिन्न सामान्य उपकरणों के रखरखाव, उनकी कार्यक्षमता बनाए रखने तथा प्रयोगशाला सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी प्रकाश डाला। द्वितीय तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने UV-Visible Spectrophotometer विषय पर विस्तृत व्यायान दिया। उन्होंने इस उपकरण के सिद्धांत, उसकी संरचना, ऑप्टिकल सिस्टम, इंस्ट्रुमेंटेशन तथा विभिन्न वैज्ञानिक एवं शोध कार्यों में इसके अनुप्रयोगों को विस्तार से समझाया। उनके व्याख्यान से प्रतिभागियों को इस महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक उपकरण की कार्यप्रणाली और उपयोगिता के बारे में गहन जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में प्रतिभागियों को प्रयोगशाला में Hands-on Training भी प्रदान की गई, जिसमें उन्हें उपकरणों के वास्तविक संचालन, उनके उपयोग की प्रक्रिया तथा सावधानियों के बारे में व्यावहारिक रूप से प्रशिक्षित किया गया। इस सत्र ने प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया। इस कार्यशाला के आयोजन में विशेष सहयोग रजिस्ट्रार दीपक परगनिया एवं मंजूषा बाजपेयी का रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ.डी.के. वर्मा द्वारा किया गया तथा अंत में डॉ ब्रिजलोक द्वारा सभी अतिथियों, प्राध्यापकगण, सहयक प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

उच्च शिक्षा में नैतिक एआई का एकीकरण अवसर और चुनौतियाँ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

राजनांदगांव। मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित फुंकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम किया गया, जिसका विषय है। उच्च शिक्षा में नैतिक एआई का एकीकरण अवसर और चुनौतियाँ। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के न्यू हॉल में प्रारंभ हुआ, जहां शिक्षकों, शोधार्थियों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम को एक सजीव एवं शैक्षणिक वातावरण प्रदान किया। आधुनिक समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत प्रासंगिक माना जा रहा है।

कार्यक्रम के में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय वी.वाई.टी. पी.जी. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. दिलीप कुमार साहू उपस्थित रहे। उन्होंने %जेनरेटिव एआई टूल्स% का परिचय विषय पर अपना विस्तृत एवं अत्यंत प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने अत्यंत



सरल भाषा में यह स्पष्ट किया कि आज के डिजिटल युग में एआई केवल एक तकनीकी अवधारणा नहीं रह गया है, बल्कि यह शिक्षा, अनुसंधान तथा समाज के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन का प्रमुख साधन बन चुका है। उन्होंने जेनरेटिव एआई की अवधारणा की विस्तार से समझाते हुए बताया कि यह तकनीक ऐसे सिस्टम विकसित करती है जो स्वयं नया कंटेंट तैयार कर सकते हैं, जैसे लेखन, चित्र निर्माण, डेटा विश्लेषण आदि। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षण कार्य में एआई आधारित टूल्स का उपयोग करके शिक्षक न केवल अपने कार्य को सरल

बना सकते हैं, बल्कि छात्रों के लिए अधिक प्रभावी एवं रोचक शिक्षण वातावरण भी तैयार कर सकते हैं। अपने व्याख्यान के दौरान प्रो. साहू ने विभिन्न एआई टूल्स का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया, जिसमें चैटजीपीटी, एलिस्टर, स्काइट, नोटबुकएल एवं लिटमैप्स जैसे आधुनिक उपकरणों के उपयोग को प्रदर्शित किया गया। उन्होंने बताया कि ये उपकरण शोध कार्य, लेखन, संदर्भ खोजने तथा अकादमिक सामग्री तैयार करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं। हालांकि, एआई के असाइड के जोड़े चुनौतियों एवं सावधानियों पर भी

गंभीरता से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ए आई का अंधाधुंध उपयोग न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है, बल्कि इससे नैतिक समस्याएँ, डेटा गोपनीयता के खतरे तथा गलत जानकारी के प्रसार जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। अतः एआई का उपयोग सदैव जिम्मेदारी एवं नैतिकता के साथ किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ, जिसमें एचआर सेल की समन्वयक डॉ. प्रीति बाला ठाँक द्वारा मुख्य अतिथि का आत्मीय स्वागत किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अमिता बक्सी का स्वागत आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. युनुस रजा बेग द्वारा किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन, परिचय एवं आभार प्रदर्शन अत्यंत प्रभावी ढंग से डॉ. प्रियंका सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने कुशल संचालन से कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बनाए रखा।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अमिता बक्सी ने अपने संदेश

में कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली तेजी से तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे न केवल उनकी दक्षता में वृद्धि होगी, बल्कि वे छात्रों को भी नवीनतम तकनीकों से जोड़ सकेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों एवं प्रतिभागियों ने भी अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा एआई से संबंधित विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस दौरान एक संवादात्मक वातावरण बना, जिसमें विचारों का आदान-प्रदान हुआ और शिक्षकों ने एआई के व्यावहारिक उपयोगों को समझने में गहरी रुचि दिखाई। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। सभी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

बढ़ते साइबर अपराध से कैसे बचे - डॉ दिनेश कुमार

राजनांदगांव। मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित एक साप्ताह्य फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम उच्च शिक्षा में नैतिक एआई एकीकरण अवसर एवं चुनौतियों के अंतर्गत चौथे दिवस का आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग, उसकी संभावनाओं तथा उससे जुड़ी चुनौतियों को समझने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता देखी जा रही है, जिससे यह आयोजन ज्ञानवर्धक एवं प्रभावी बनता जा रहा है। कार्यक्रम के चौथे दिन का मुख्य आकर्षण साइबर अपराध जैसे अत्यंत समसामयिक एवं महत्वपूर्ण विषय पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यान रहा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ दिनेश कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, राज्य फॉरेंसिक प्रयोगशाला, रायपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के स्वागत से हुआ, जिसमें डॉ. पी. बी. ठाँक द्वारा मुख्य वक्ता का औपचारिक स्वागत किया गया। उन्होंने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराध एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है और इससे निपटने के लिए जागरूकता एवं ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। अपने व्याख्यान में डॉ. दिनेश कुमार ने साइबर अपराध की अवधारणा को सरल भाषा में समझाते हुए कहा कि साइबर अपराध वह अवैध गतिविधियाँ हैं, जो कंप्यूटर, इंटरनेट या डिजिटल माध्यमों के माध्यम से की जाती हैं। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे डिजिटल तकनीकों का विकास हो रहा है, वैैसे-वैसे साइबर अपराधों की संख्या और जटिलता भी बढ़ती जा रही है। उन्होंने साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों का विस्तृत वर्णन किया, जिनमें प्रमुख रूप से फ़िशिंग, पहचान की चोरी, डेटा चोरी, ऑनलाइन ठगी, हैकिंग, साइबर बुलिंग, रैनसमवेयर आक्रमण एवं सोशल इंजीनियरिंग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि फ़िशिंग के माध्यम से अपराधी नकली ईमेल या वेबसाइट के जरिए उपयोगकर्ताओं से गोपनीय जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। इसी प्रकार, पहचान की चोरी में किसी व्यक्ति की निजी जानकारी का दुरुपयोग किया जाता है। डॉ. कुमार ने यह भी बताया कि साइबर अपराध केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्ति की निजता, मानसिक स्थिति एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विशेष रूप से सावधान रहने की सलाह दी, क्योंकि शैक्षणिक संस्थान भी साइबर हमलों के प्रमुख लक्ष्य बनते जा रहे हैं। उन्होंने साइबर सुरक्षा के उपायों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने मजबूत पासवर्ड का उपयोग, समय-समय पर पासवर्ड बदलना, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण अपनाना, अनजान लिंक पर क्लिक न करना तथा संदिग्ध ईमेल से दूरी बनाए रखना जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी बताया कि मोबाइल एवं कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का



उपयोग करना, नियमित रूप से सॉफ्टवेयर अपडेट करना एवं सुरक्षित इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करना साइबर सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। अपने व्याख्यान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए डॉ. कुमार ने कई वास्तविक उदाहरणों एवं केस स्टडीज का उल्लेख किया, जिससे प्रतिभागियों को विषय की गंभीरता का स्पष्ट अनुभव हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि साइबर फॉरेंसिक तकनीकों के माध्यम से अपराधियों की पहचान कैसे की जाती है तथा न्यायिक प्रक्रिया में साक्ष्यों का किस प्रकार उपयोग किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने भी उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर मुख्य वक्ता ने सरल एवं संतोष जनक ढंग से दिया। इस संवादात्मक सत्र ने कार्यक्रम को और अधिक रोचक एवं ज्ञानवर्धक बना दिया। कार्यक्रम का संचालन वंदना मिश्रा द्वारा अत्यंत प्रभावी एवं सुव्यवस्थित रूप से किया गया। उनकी प्रस्तुति शैली ने पूरे कार्यक्रम को आकर्षक बनाए रखा और सभी गतिविधियों को क्रमबद्ध रूप से संचालित किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता को महाविद्यालय परिवार की ओर से प्रमाण-पत्र एवं गृकृतज्ञता पसवर्ड का उपयोग पर पासवर्ड बदलना, दो-स्तरीय प्रमाणिकरण अपनाना, अनजान लिंक पर क्लिक न करना तथा संदिग्ध ईमेल से दूरी बनाए रखना जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी बताया कि मोबाइल एवं कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का



तेजी से घाव भरने वाला नैनो बैडैज विकसित

राजनांदगांव। यह परियोजना अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, स्त्रश्च योजना के तहत नई दिगी से वित्त पोषित है। ANRF-SURE योजना राज्य विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में सक्रिय शोधकर्ताओं को सीमांत क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए समर्थन प्रदान करती है, जिसमें अधिकतम 30 लाख रुपये तक की एकमुश्त अनुदान राशि तीन वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध है। इस योजना के अंतर्गत डॉ. आडिल को लगभग 29 लाख कि राशि प्राप्त हुई है वेस्ट्रवेलथ की अवधारणा पर आधारित इस शोध में पशु अपशिष्ट (जैसे मुर्गी के पंख, भेड़ के ऊन, मानव के बाल आदि) से प्राप्त प्राकृतिक प्रोटीन केराटिन का उपयोग किया गया है। इलेक्ट्रो स्पिनिंग तकनीक से तैयार ये कंडक्टिव नैनोफाइबर विद्युत चालक गुणों से युक्त हैं, जो विद्युत उत्तेजना (इलेक्ट्रिकलस्टिम्युलेशन) प्रदान कर कोशिकाओं की वृद्धि, प्रसार, प्रवासन और उत्तक पुनर्जनन को तेज करते हैं। यह सामग्री बायो कंपैटिबल, गैर-विषैली और प्राकृतिक एक्सट्र सेलुलर मैट्रिक्स की नकल करती है, जिससे घाव भरने की प्रक्रिया में संक्रमण कम होता है, उत्तक तेजी से पुनर्जीत होते



हैं और विशेष रूप से पुराने घावों, जलने तथा डायबिटीज संबंधी घावों के इलाज में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। यह केराटिन आधारित कंडक्टिव नैनो फाइबर आधुनिक विज्ञान और प्रोथोगिकी में अनेक क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक एवं वियरेबल यंत्र, बायो सेंसर, उर्जा भण्डारण रूपांतरण, एवं जैव चिकित्सा जैसे मेजर एक्सीडेंट से होने वाले, चोट, घाव, इंजुरी, मधुमेह के घाव के लिए बहुत ही लाभकारी साधन हो सकता है

इस नवाचार से स्टार्ट अप बिजनेस अवसरों की अपार संभावनाएं खुल रही हैं। केराटिन आधारित कंडक्टिव नैनोफाइबर से सस्ती, पर्यावरण-अनुकूल और उन्नत वाउंड

ड्रेसिंग, बायो-मटेरियल पैच, स्मार्ट बैडैज तथा अन्य मेडिकल उत्पाद विकसित किए जा सकते हैं। यह स्टार्ट-अप के लिए एक बड़ा बाजार प्रदान करेगा, जहां अपशिष्ट से मूल्यवान उत्पाद बनाकर स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, निर्यात संभावनाएं और सरंसेने बलबिज ने समॉडल विकसित हो सकते हैं। डॉ. आडिल ने इस तकनीक को व्यावसायिक स्तर पर ले जाने और स्टार्ट-अप इकासिस्टम से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ने की भारत सरकार कि योजना व्यक्त की है, जो मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों से जुड़ी है। डॉ. आडिल ने कहा, यह शोध न केवल

वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. केशवराम आडिल के नेतृत्व में चल रहे शोध में फ़केराटिन आधारित कंडक्टिव नैनोफाइबर बैडैज विकसित किया फ़या है, जो घावों के तेजी से भरने के लिए एक अभिनव और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। इस शोध में रिसर्च स्कॉलर नितेश कुमार का भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार लाएगा, बल्कि अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगा। ह्मन्न-स्त्रश्च के समर्थन से हम इस तकनीक को और आगे बढ़ा रहे हैं, ताकि यह समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हो सके। महाविद्यालय के इस शोध कार्य के लिए प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने डॉ. केशव राम आडिल को बहुत बधाई देते हुए, महाविद्यालय परिवार के लिए गवं कि बात है और आगे बढ़ने कि प्रेरणा देते हुए शुभकामनाये दी।

ऊर्जा पार्क में जिला स्तरीय व्यक्तित्व विकास शिविर संपन्न, स्वयं सेवकों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

राजनांदगांव। राष्ट्रीय युवा दिवस के गरिमामयी अवसर पर जिला स्तरीय एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर का भव्य आयोजन ऊर्जा पार्क, राजनांदगांव में किया गया। इस शिविर में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं



महाविद्यालयों से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक शिरकत की। महापौर ने किया शुभारंभ कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पूजा अर्चना के साथ किया गया। अपने संबोधन में महापौर ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छात्र युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष नागेश यदु ने की। इस दौरान भिन्न भिन्न गतिविधियों आयोजित कि गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया गया। प्रतिभाशाली स्वयंसेवक हुए सम्मानित राष्ट्रीय और राजकीय स्तर के शिविरों में उत्कृष्ट सहभागिता और सामाजिक कार्यों में श्रेष्ठ योगदान के लिए महापौर द्वारा विभिन्न संस्थाओं के स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के स्वयंसेवकों का विशेष दबत्वा रहा, जिसमें मनीष टांडेकर, भागवत वर्मा,

शिवम यादव, टिकेश्वरी देवांगन, छाया साहू, रस्तम नूरेटी, दिनेश कुमार और रेशमा साहू को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। दिग्विजय महाविद्यालय की बड़ी उपस्थिति शिविर में दिग्विजय महाविद्यालय के 150 से अधिक छात्र उपस्थित रहे।

इस सफल आयोजन पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सतिषि एवं करुणा रावटे ने हर्ष व्यक्त करते हुए चर्चनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिविर का नेतृत्व इस एक दिवसीय शिविर को सफल बनाने में शिविर नायक शिवम यादव, शिविर नायिका टिकेश्वरी देवांगन, उप शिविर नायक मिथलेश साहू और उप शिविर नायिका लीना वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयं सेवी राहुल तिवारी, कोमल साहू, वोणा साहू, दिव्या, पगवती, पायल, विनीता सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आयोजन

वाणिज्य विभाग द्वारा पालक शिक्षक बैठक का आयोजन



राजनांदगांव। वाणिज्य विभाग द्वारा पालक शिक्षक बैठक का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के नेतृत्व में एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस के उके के मार्गदर्शन में किया गया। बैठक के माध्यम से विद्यार्थियों की पढ़ाई, विकास एवं महाविद्यालय से संबंधित विषयों में चर्चा की गई। उक्त बैठक में मंच संचालन वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर एच. सी.जैन द्वारा किया गया। उनके द्वारा विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुए उक्त पालक शिक्षक बैठक की महत्ता से अवगत कराया गया। तत्पश्चात विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एस.के उके ने अपने उद्बोधन में कक्षा संचालन संबंधित समय सारणी, विभाग एवं महाविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकालय की सुविधा, रीडिंग रूम की सुविधा एवं अन्य उपलब्ध महत्वपूर्ण सुविधा संबंधित जानकारी पत्तकों को एवं विद्यार्थियों को प्रदान की।पालक शिक्षक बैठक में पालकों एवं विद्यार्थियों से विभाग एवं महाविद्यालय से संबंधित सुझाव भी आमंत्रित किये गए जिसमें पालकों ने कक्षाओं के संचालन के समय एवं अन्य एक्टिविटी कराए जाने संबंधित अपने सुझाव विभाग को दिए। उपरोक्त पालक शिक्षक बैठक में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुमन कोचर के द्वारा किया गया। पालक शिक्षक बैठक में विभाग के समस्त प्राध्यापक प्रो.स्वयं सिद्धां झा, डॉ. प्रशा मिश्रा, डॉ. तरुणा वर्मा, पूजा कुमारी डॉ. सूरज पटेल एवं डॉ. देहूति बंधेर भी उपस्थित थे इसके साथ ही वाणिज्य विभाग द्वारा सफलतापूर्वक पालक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया ।

भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

राजनांदगांव। भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना, राजकीय गीत और राष्ट्रीय गीत से हुई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ.एस.के.पटेल सर के उद्बोधन के साथ हुई। अपने उद्बोधन में उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के पीछे का महत्व बताया और साथ ही इस वर्ष की थीम Women in Science-Catalyzing Viksit Bharat की साक्षरता को स्पष्ट किया। उन्होंने आधुनिक विज्ञान और वैदिक विज्ञान में संबंध का व्याख्यान किया। तत्पश्चात् प्रचार्य महोदया द्वारा अपने उद्बोधन में युवाओं की तुलना चमकते सूर्य से की गई एवं युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि विकसित एवं सशक्त भारत के लिए युवाओं का योगदान महत्वपूर्ण है। विभाग के सहायक प्रध्यापक श्री लेखा प्रसाद उग्रशा द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका एवं उनके महत्व को बताया गया। कार्यक्रम में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एवं सी वी रमन जी के विज्ञान में योगदान को बताया गया। साथ ही साथ डिजिटल पोस्टर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंत में नुकड़ नाटक द्वार विज्ञान में महिलाओं की महत्ता को दर्शाया गया।

अर्थशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन



में एवं अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुमीता श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया । कार्यक्रम में अतिथि विद्वान के रूप में डॉ. सीमा अग्रवाल, प्रोफेसर, शासकीय दानवीर तुलाराम पी.जी. महाविद्यालय उत्तराई दुर्ग छत्तीसगढ़ आमंत्रित थी दू व्याख्यान का विषय कार्ल मार्क्स का आर्थिक विकास सिद्धांत कार्यक्रम के प्रांभ में विभागाध्यक्ष डॉ. . सुमीता श्रीवास्तव ने परिचयात्मक स्वगत उदबोधन दिया एवं विभाग की गतिविधियों की जानकारी संक्षिप्त रूप से दी । डॉ. सीमा अग्रवाल द्वारा कार्ल मार्क्स के विचारो के आर्थिक परिप्रेक्ष्य को सरलता एवं सामान्य भाषा में वर्तमान स्थिति से जोड़कर बताया जिसमे भौतिकवाद, सा्मतवाद, पूंजीवाद, साम्यवाद में श्रमिक एवं पूंजीपति वर्ग के बारे में विस्तार से बताया गया दू रूस , चीन आदि देशो ने साम्यवाद को अपनाया है किन्तु मार्क्स के साम्यवाद को पूर्णरूप से नहीं अपनाया जा सका क्युकी मार्क्स ने रा%यविहीन साम्यवाद की कल्पना की थी जो यथार्थ में हो पाना बहुत कठिन है दू कार्यक्रम का संचालन डॉ. खेमरानी दुवे द्वारा किया गया दू उपयुक्त कार्यक्रम में विभाग के अतिथि सहायक प्राध्यापक डॉ. दिनेश प्रसाद एवं एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन अतिथि सहायक प्राध्यापक कु. गुणेशी द्वारा किया गया।

NSS कार्यक्रम अधिकारियों की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न

राजनांदगांव। स्थानीय शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय सेवा योजना जिला राजनांदगांव के तत्वाधान में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम



कार्यशाला का गरिमायय आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले भर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लगभग 50 कार्यक्रम अधिकारियों ने सहभागिता दर्ज की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुचित्रा गुप्ता एवं हस्स जिला संगठक मौनिका दास द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यशाला के प्रमुख सत्र और विशेषज्ञ कार्यशाला को चार महत्वपूर्ण तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया था, जिसमें विषय विशेषज्ञों ने नवीन दिशा-निर्देशों पर प्रकाश डाला

प्रथम सत्र पूर्व जिला संगठक डॉ. एस. के. पटेल ने NSS के मूल उद्देश्यों पर व्याख्यान

राज्य सरकार वेतन पैकेज पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

राजनांदगांव। राज्य सरकार वेतन पैकेज विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार एवं भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई.) के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यु.) के अंतर्गत आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शासकीय कर्मचारियों को वेतन पैकेज से संबंधित बैंकिंग सुविधाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य बीमा (हेल्थ इश्योरेंस) एवं अन्य बीमा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन महाविद्यालय के आई. क्यू ए. सी. सेल द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के विशिष्ट अतिथि वक्ताओं ने उपस्थित प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। मुख्य वक्ता श्री जे. कंणा, मुख्य प्रबंधक, एस.बी.आई. मुख्य शाखा राजनांदगांव ने रा%य सरकार वेतन पैकेज की प्रमुख विशेषताओं, वेतन खाते, विभिन्न



बिमाये, एटीएम कार्ड , गण सुविधाओं एवं डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। श्री विनीत किशोर बस्के, शाखा प्रबंधक, एस.बी.आई. कलेक्टरेट शाखा, राजनांदगांव ने वेतन खातों से जुड़ी अतिरिक्त सुविधाओं, सरल बैंकिंग प्रक्रियाओं तथा कर्मचारियों के लिए उपलब्ध विशेष योजनाओं पर प्रकाश डाला। वहीं श्री सुनील तांडेकर, बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर, एस.बी.आई. जनरल इश्योरेंस ने स्वास्थ्य बीमा एवं सामान्य बीमा योजनाओं के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि हेल्थ इश्योरेंस किस प्रकार कर्मचारियों एवं उनके परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है तथा समय पर बीमा कवर लेना क्यों आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा वेतन पैकेज एवं स्वास्थ्य बीमा से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे गए, जिनका वक्ताओं द्वारा सरल एवं संतोषजनक उत्तर दिया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के शासकीय कर्मचारियों, प्राध्यापकों एवं स्टाफ के लिए अत्यंत उपयोगी एवं जानकारीपूर्ण सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रो. वंदना मिश्रा के द्वारा किया गया एवं अंत में प्रो. डॉ. प्रमोद महोश एवं उनके परिवार को राजनांदगांव के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री दीपक परगनिहा ने विशेष सहयोग दिया ।

दिग्विजय महाविद्यालय एवं महिला महाविद्यालय, भिलाई के मध्य समझौता



राजनांदगांव। भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई एवं शासकीय दिग्विजय स्नातको्तर स्वशासी महाविद्यालय, राजनांदगांव के मध्य दिनांक 26 मई 2026 को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करना तथा शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करना है। इस समझौते के अंतर्गत फैकल्टी एक्सचेंज, स्टूडेंट एक्सचेंज, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेमिनार, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, कार्यशालाएं तथा संयुक्त शोध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर भिलाई महिला महाविद्यालय, भिलाई से प्राचार्य प्रतिभा छाया कर्लोडिंगएस एवं IQAC प्रभारी डॉ. भावना पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं शासकीय दिग्विजय

स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, राजनांदगांव से प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता, दृष्टष्ट प्रभारी यूनस राजा बेग, महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा एवं सहायक प्राध्यापक (वनस्पति विज्ञान) डॉ. सोनल मिश्रा उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान दोनों महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने इस पहल को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि यह समझौता विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा तथा ज्ञान, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में सकारात्मक एवं रचनात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगा। यह समझौता दोनों संस्थानों के मध्य आपसी सहयोग, संसाधनों के आदान-प्रदान तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

भाषण, नारा लेखन, पोस्टर एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय में प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में आइक्यूएसी एवं साहित्यिक समिति के संयुक्त तत्वाधान में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के उपलक्ष में भाषण, नारा लेखन, पोस्टर एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के कुल 70 छात्र-



कहा कि हमारी युवा शक्ति अपने कौशल एवं नए विचारों से ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निश्चित रूप से हम अपने आने वाले कल को बेहतर बनाएंगे। भाषण प्रतियोगिता में विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं प्रथम पुरस्कार शिवम कुमार यादव एमएससी फिजिक्स 4th सेमेस्टर, द्वितीय पुरस्कार विनय वासनिंद BA 6th सेमेस्टर, एवं तृतीय पुरस्कार मेधाश्री मिश्रा MA 4th सेमेस्टर अंग्रेजी ने प्राप्त किया भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम में डॉ श्रद्धा साहू, डॉ महेंद्र नागपुर एवं डॉ भारती सोनी ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम कोटरासरार में ग्रामीण शिविर का आयोजन



दुराजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम कोटरासरार में ग्रामीण शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में तथा समाज कार्य विभागाध्यक्ष ललिता साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में समाज कार्य विभागाध्यक्ष ललिता साहू द्वारा ग्रामीण शिविर आयोजन के उद्देश्य के बारे में ग्रामीण शिविर में ग्राम वासियों का बी.पी (रक्त चाप), शुगर (मधुमेह), एच.आई.वी, मलेरिया, रक्त जांच, टाइफाइड जांच किया गया व नेत्र विभाग द्वारा नेत्र जांच किया गया। जांच के उपरांत ग्रामीणों को आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया। ग्राम कोटरासरार की सरपंच धनेश्वरी सिन्हा ने समाज कार्य विभाग व समस्त मेडिकल टीम का ग्रामीण शिविर आयोजन

हेतु धन्यवाद ज्ञापन किया व भविष्य में ऐसे आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की गई। उक्त ग्रामीण शिविर में समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने ग्रामीण शिविर के आयोजन की व्यवस्था की तथा समस्त चिकित्सा विभाग व स्टाफ के साथ स्वयंसेवक के रूप में सहयोग किया गया। कार्यक्रम के समापन में धन्यवाद ज्ञापन समाज कार्य विभागाध्यक्ष ललिता साहू के द्वारा किया गया। उक्त ग्रामीण शिविर में क्रिश्चियन फैलोशिप नेत्र विभाग, जिला स्वास्थ्य विभाग, समता जन कल्याण समिति, ग्राम कोटरासरार के सरपंच गण व अन्य गणमान्य व्यक्ति, समाज कार्य विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू, अतिथि प्राध्यापक तारणी साहू, शालिनी सोनी तथा समाज कार्य विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे। उक्त शिविर में ग्राम कोटरासरार के ग्रामीणों ने चिकित्सीय जांच एवं स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

महाविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय मानव विज्ञान दिवस



राजनांदगांव। अंतर्राष्ट्रीय मानव विज्ञान दिवस के अवसर पर शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के मानव विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन में मानव विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अंजलि मोहन कोड़ोपी के मार्गदर्शन में मनाया गया। आज इस कार्यक्रम में द्वितीय, चतुर्थ एवं छठवें सेमेस्टर के छात्र छात्रों ने भाग लिया। विश्व मानवविज्ञान दिवस हर वर्ष फरवरी के तीसरे गुरुवार को मनाया जाता है। विभागाध्यक्ष डॉ अंजलि के द्वारा इस दिवस के महत्व को रेखांकित किया गया कि यह दिन केवल एक एकेडमिक विषय का उत्सव नहीं बल बल्कि मानव सभ्यता की कहानी को समझने का अवसर है। मनोविज्ञान क्या है,उसकी उत्पति, जैविक विकास, संस्कृति, समाज, व्यवहार, परंपराएं और जीवन से संबंधित अध्ययन है। यह दिवस वैज्ञानिक अध्ययन के महत्व को समझने और इस क्षेत्र में कारगर लोगों को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। इस वर्ष 19 फरवरी 2026 को पूरे विश्व में मनाया गया। विभाग के विद्यार्थियों द्वारा इस दिवस के अवसर पर विभिन्न पोस्टर बनाएं गए। इस प्रकार कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई (IIT भिलाई) का शैक्षणिक भ्रमण

राजनांदगांव। बी.एस.सी. (गणित) चतुर्थ सेमेस्टर के दस विद्यार्थियों ने हाल ही में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई (IIT भिलाई) का शैक्षणिक भ्रमण किया, जो उनके शैक्षणिक और अनुसंधान दृष्टिकोण के लिए अत्यंत प्रेरणादायक साबित हुआ। यह शैक्षणिक यात्रा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन तथा भौतिक विभागाध्यक्ष डॉ. पी. बी. टांक और डॉ. एस. के. पटेल के निर्देशन में संघ्र हुई। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को ३% तकनीकी शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं और नवाचार के प्रवाह से प्रत्यक्ष परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के उन्नत शैक्षणिक वातावरण का विस्तृत अवलोकन किया। इस प्रतिष्ठित संस्थान में छात्रों को केंद्रीय पुस्तकालय, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, कंप्यूटर सेवा केंद्र और अन्य तकनीकी संसाधनों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

विशेष रूप से छात्रों ने संस्थान की केंद्रीय उपकरण सुविधा और विभिन्न विभागों के शोध प्रयोगशालाओं का दौरा किया, जहाँ प्रोफ़ेसर्स और शोधार्थियों ने वर्तमान शोध



परियोजनाओं, तकनीकी नवाचारों और वास्तविक दुनिया की समस्याओं पर काम कर रहे प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने देखा कि यहाँ आधुनिक स्मार्ट क्लासरूम, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर और फिज़िक्स लैब सहित अनुसंधान-आधारित प्रयोगशालाएँ हैं, जो छात्रों को व्यावहारिक प्रयोग एवं शोध कार्यों में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने का अवसर प्रदान करती हैं।

छात्रों के अनुभव और प्रभाव भ्रमण के

दौरान छात्रों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में चल रहे उन्नत अनुसंधान कार्यों और परियोजनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोध के प्रति उत्साह में वृद्धि हुई और उन्होंने आने वाले करियर और ३% अध्ययन को लेकर अधिक प्रेरित महसूस किया।

छात्रों ने विशेष रूप से संस्थान के अनुशासन, शैक्षणिक वातावरण और शोध संस्कृति की सराहना की और इसे अपने शैक्षणिक जीवन का एक अत्यंत प्रेरणादायक

एवं ज्ञानवर्धक अनुभव बताया। महाविद्यालय प्रशासन ने इस प्रकार की शैक्षणिक यात्राओं को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के दृष्टिकोण से अत्यंत उपयोगी बताया। बताया गया कि ऐसे भ्रमण से विद्यार्थियों की सोच में व्यापक परिवर्तन आता है और वे तकनीकी ज्ञान तथा अनुसंधान के प्रति अधिक लगन से जुड़े रहते हैं। अंत में यह कहा गया कि ऐसे अनुभव विद्यार्थियों के भविष्य का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तथ्य ही इतिहास के सत्य को जागृत करते हैं - डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्र

राजनांदगांव। इतिहास विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्र ने कहा कि गतस्थ ही इतिहास के सत्य को जागृत करते हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनिता महेश्वरी तथा डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा डॉ. मिश्र का स्वागत किया गया। डॉ. मिश्र का



परिचय प्रस्तुत करते हुए डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ के इतिहास लेखन में डॉ. मिश्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के इतिहास को क्रमबद्ध एवं तथ्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया है। डॉ. मिश्र द्वारा सन् 1998 में लिखित उनकी पुस्तक छत्तीसगढ़ का इतिहास इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कृति है। उनके मार्गदर्शन में साठ से अधिक शोधार्थी पीएचडी पूर्ण कर चुके हैं। डॉ. सिंह

अग्रणी दिग्विजय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पोषक विद्यालय संपर्क अभियान के अंतर्गत विस्तार गतिविधि कार्यक्रम

राजनांदगांव। वाणिज्य विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के निर्देशन एवं दृष्टष्ट के सहयोग तथा वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के.उके के मार्गदर्शन में विस्तार गतिविधि कार्यक्रम का आयोजन वेसलियन इंग्लिश मीडियम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केलाश नगर राजनांदगांव में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से



सदी के आधुनिक एवं वैश्विक विचारों व ज्ञान को आपस में जोड़ना है। साथ ही हृद्वक्ष 1986 व हृद्वक्ष 2020 के तुलनात्मक अध्ययन को भी विस्तार से समझाया। नई शिक्षा नीति समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा एवं कोशल विकास पर जोर देती है। डॉ. प्रज्ञा मिश्रा द्वारा छात्र-छात्राओं को कैरियर गाइडेंस की जानकारी प्रदान की गई। अंत में प्रो.एस.सी. जैन ने छात्र-छात्राओं को प्रेरणात्मक सम्बोधन देते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया तथा विद्यार्थियों को आगामी परीक्षा की शुभकामनाएं दी। उक्त एक दिवसीय कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य श्री ए. स्कॉट एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे तथा महाविद्यालय के प्रोफ़ेसर श्रीमती स्वयंसिद्धा झा, डॉ. सूरज पटेल , डॉ. देहूती बंधोर एवं एम.कॉम. फाइनल इयर तथा आठवें सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयोजन

मानव विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान का किया गया आयोजन



राजनांदगांव। प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में मानव विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, इस व्याख्यान के आयोजन में मुख्य वक्ता डॉ. संपदा बैस कश्यप, सहायक प्राध्यापक मानव-विज्ञान शा. जे योगानंदम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय (रायपुर)जीविका मार्गदर्शन पर व्याख्यान दिया, यह व्याख्यान पंचम सेमेस्टर के मनाविज्ञान के छात्रों के लिए आयोजित की गई। व्याख्यान में डॉ. संपदा बैस कश्यप ने कहा कि स्नातक के बाद स्नातकोत्तर करना ज्यादा महत्वपूर्ण होता है,क्योंकि आप किसी विषय को बेहतर तरीके से जान सकते हैं, और आपका शिक्षा का स्तर भी बढ़ता है रोजगार के लिए किसी विषय का जानकारी होना अति आवश्यक होता है इसके साथ ही प्रतियोगिता परीक्षा के लिए दक्षता बढ़ जाती है। स्नातकोत्तर करने के उपरांत आपको बेहतर परीक्षाओं के लिए अवसर प्राप्त होते हैं, जैसे नेट, सेट, इसके अलावा व्यवसाय को भी अपनी जीविका के माध्यम में चुनाव कर सकते हैं, विभिन्न प्रकार के अवसर माध्यमों की जानकारी। छात्रों के लिए बहुत ही जिज्ञासा पूर्ण व्याख्यान रहा! छात्रों ने विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा प्रकट किया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मानवविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजली मोहन कोड्रेपी के सौजन्य से अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

गृह सज्जा के समान बनाने की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

राजनांदगांव। महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में अनुसंगी सामानों से उपयोगी गृह सज्जा के समान बनाने की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में नई दिगी से आए हुए हस्तशिल्प कलाकार नरेश राय एवं रोहित राय ने छात्र-छात्राओं को घर में पड़े अनुसंगी सामानों जैसे पुराने अखबार, कार्डबोर्ड, प्लैट पेपर, एवं रंगीन कागज से तरह-तरह के गृह सज्जा के समान बनाने का प्रशिक्षण दिया। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक का डॉ मीना प्रसाद ने कहा

कि इस प्रकार की कला पर्यावरणीय सुरक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि बिना प्रकृति को नुकसान पहुंचा हम पुराने एवं अनुपयोगी सामानों से उपयोगी सामान बनाते हैं और हमारे कोशल कला का विकास भी होता है। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ नीलम तिवारी रोहिणी समर्थ सहित विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का संचालन डॉ आराधना गोस्वामी ने किया। महाविद्यालय से रजिस्ट्रार श्री दीपक परगनिहा ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ ऊर्जा रजत महोत्सव नारा लेखन में डूबी प्रथम स्थान पर रुचिका द्वितीय

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एम.ए.इतिहास के चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा



रूबी ने प्रथम तथा एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र रुचिका रामटेके ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया छात्राओं की इस उपलब्धि में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सुचित्रा गुप्ता, इतिहास विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर शैलेन्द्र सिंह, प्रोफ़ेसर हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, डॉ अजय शर्मा, डॉक्टर तोमैंद्र साहू सहित विभाग के छात्र-छात्राओं ने इस उपलब्धि हेतु रूबी और रुचिका को बधाई दी।

शिक्षक अभिभावक बैठक का किया गया आयोजन



शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुमीता श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. सुमीता श्रीवास्तव ने अपने स्वागत उद्बोधन में बैठक के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। इस बैठक में विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं उनसे जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की गई। अभिभावकों को भी महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई साथ ही उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए गए। इस बैठक में विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. खेमनारी दुबे, डॉ. दिनेश प्रसाद, कु.गणेशी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

स्वामीत्व एवं प्रकाशक: शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलापारा, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)। महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा छह मासिक प्रकाशित। संरक्षक एवं प्रकाशक :- (प्राचार्य) डॉ. सुचित्रा गुप्ता, प्रधान संपादक एवं निर्देशक डॉ. अमितशर सोनकर, कु. विभा सिंह, संकलन :- बीजेएमसी छात्र-छात्राएं। मुद्रक :- e-mail : sonkaramesh@gmail.com, Phone - 94241114012

दिग्विजय महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. डाकेश्वर वर्मा की पुस्तक इंग्लैंड में प्रकाशित

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. डाकेश्वर वर्मा द्वारा संपादित महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पुस्तक एण्डवॉर्ड एंटी-कॉरिसिव पेटेरियल्स का प्रकाशन इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन संस्थान टेंटर एण्ड फ्रांसिस के द्वारा किया गया है। यह पुस्तक धातु क्षरण (कॉरिशन), उसके आर्थिक प्रभाव तथा आधुनिक एंटी-कॉरिसिव तकनीकों पर आधारित एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक कृति मानी जा रही है। पुस्तक में यह बताया गया है कि कॉरिशन केवल धातुओं की सहर्त पर जंग लगने की समस्या नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था, उद्योगों तथा आधारभूत

संरचनाओं के लिए गंभीर चुनौती है। पुल, पाइपलाइन, भवन, वाहन, विद्युत संचयन तथा औद्योगिक मशीनों कॉरिशन से प्रभावित होकर समय से पहले क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे भारी आर्थिक हानि होती है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत को प्रतिवर्ष कॉरिशन के कारण सकल घरेलू उत्पाद (जी डी पी) का लगभग 4 से 7 प्रतिशत तक नुकसान उठाना पड़ता है। इस पुस्तक में कॉबेन फ्रांज़म डॉट्स, कर्डिंटिंग पॉलिमर नैनोकॉम्पोजिट्स, ग्राफ़ीन आधारित कोटिंग्स, सेल्फ-हीलिंग कोटिंग्स तथा नैनो-संरचित सुरक्षात्मक पदार्थों जैसे उन्नत एंटी-कॉरिसिव मटेरियल्स पर विस्तार से चर्चा की गई है। ये आधुनिक सामग्री

रसायन शास्त्र द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर व्याख्यान व अंधविश्वास पर नुकड़ नाटक की प्रस्तुति

राजनांदगांव। रसायन शास्त्र विभाग शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्या डॉ.सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा पोषक विद्यालय सम्पर्क अभियान के तहत शासकीय उच्चतर विद्यालय सुरगी में एक विस्तार गतिविधि का आयोजन किया गया। इस आयोजन में रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष यूनुस रजा बेग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को रोजगारोन्मुखी बताया और प्राध्यापक डॉ. अश्वनी कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। अतिथि प्राध्यापक लिकेश्वर सिन्हा ने शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, विशेषताओं व उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत एमएससी रसायन शास्त्र के छात्रों ने अंधविश्वास पर आधारित नुकड़ नाटक की प्रस्तुति भी दी। इस आयोजन में सुरगी स्कूल के

पुस्तक प्रकाशन पर संस्था के प्राचार्य एवम् रजिस्ट्रार द्वारा सम्मानित किया गया

धातुओं को जंग से बचाने के साथ-साथ उनकी आयु एवं कार्यक्षमता को भी बढ़ाने में सहायक हैं। वैज्ञानिक समुदाय एवं शिक्षाविदों ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण बताया है। यह पुस्तक शोधार्थियों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों एवं औद्योगिक विशेषज्ञों के लिए उपयोगी संदर्भ सामग्री सिद्ध होगी। डॉ. वर्मा ने कहा कि उन्नत एंटी-कॉरिसिव तकनीकों को अपनाकर औद्योगिक क्षति को कम किया जा सकता है तथा सतत विकास को बढ़ावा

दिया जा सकता है। यह पुस्तक अमेजन, गूगल बुक एवम् अन्य प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है शोध पृष्ठभूमि डॉ. डाकेश्वर कुमार वर्मा, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़, भारत में रसायन विज्ञान के सहायक प्राध्यापक हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, अमेरिका और एल्सेवियर साइटेशन डेटाबेस 2025 के अनुसार डॉ वर्मा को दुनिया के शीर्ष 2त वैज्ञानिकों में स्थान मिला है वैज्ञानिक अन्वेषण के प्रति

महिला सशक्तिकरण के लिए आत्मरक्षा कौशल अत्यंत जरूरी - डॉ सुचित्रा गुप्ता

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा हेतु कराटे प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय की दो छात्राओं प्रज्ञा वर्मा बीएससी सेकंड सेमेस्टर मैथ्स तथा मुस्कान साहू बीएससी 4हृद्व सेमेस्टर मैथ्स ने



प्रशिक्षक के तौर पर महाविद्यालय की छात्राओं को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं को तीन प्रकार के पांच अपर, लोअर, मिडल, तीन प्रकार के ब्लॉक अपर, लोअर, मिडल आउटर मिडिल, दो प्रकार की किक मायागिरी मावशीगिरि एवं हैमर यूरेक्रेन जैसे कराटे के विभिन्न दाव पेच सिखाए।

बड़ी संख्या में महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात प्राचार्य डॉ सुचित्रा गुप्ता ने छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्राओं के लिए अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि वर्तमान में महिलाओं की सुरक्षा एक गंभीर चुनौती के रूप में

हम सब के सामने खड़ी है। महिलाओं को मानसिक और शारीरिक तौर पर सशक्त होना चाहिए। प्रत्येक महिला को अपनी आत्मरक्षा स्वयं करनी चाहिए। इसके लिए अनुशासन, मेहनत ,संयमित जीवन शैली एवं पीछे छेड़ना पान उनकी दिनचर्या में शामिल होना चाहिए। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ मीना प्रसाद ने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम को आवश्यक बताया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों की आयोजन पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आराधना गोस्वामी ने किया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की सदस्य प्राध्यापिकाएं डॉ. नीलम तिवारी, स्वयंसिद्ध झा, रोहिणी समर्त ने भी अपनी सहभागिता दी। आभार प्रदर्शन स्वयंसिद्ध झा ने किया

गणित विभाग द्वारा रायपुर के मूल विज्ञान केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण



गया, जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. के.के. देवांगन का विशेष मार्गदर्शन एवं नेतृत्व रहा। इस शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत विद्यार्थियों ने सेंटर ऑफ बेसिक साइंस, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने रसायन, भौतिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं तथा पुस्तकालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर गणित विभाग, सेंटर ऑफ बेसिक साइंस के विभागाध्यक्ष डॉ. गोविंद प्रसाद साहू द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने शोध के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (I) के युग में गणित की भूमिका तथा समाज में एक अ%छ गणिताज्ञ के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि गणित का मूल आधार स्वयंसिद्ध ,पाप्यडेड होते हैं तथा विभिन्न स्वयंसिद्धों के आधार परगणित के विभिन्न रनदपअमतेमेश् की कल्पना की जा सकती है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने नवा रायपुर स्थित जनजातीय संग्रहालय एवं महादेव घाट का भी भ्रमण किया, जिससे उन्हें सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि से भी समृद्ध अनुभव प्राप्त हुआ। भ्रमण के दौरान विभाग के अतिथि व्याख्याता श्री प्रतीक सिंह ठाकुर द्वारा समूह गतिविधि प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए सहयोग, समय प्रबंधन एवं समूह में कार्य करने के कौशल को विकसित किया। इस भ्रमण में विभागाध्यक्ष डॉ. के.के. देवांगन के साथ अतिथि व्याख्याता श्री प्रतीक सिंह ठाकुर एवं सुश्री रंजना साहू भी उपस्थित रहे। इस शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल शोध के प्रति प्रेरणा प्राप्त हुई, बल्कि उन्हे अपने भविष्य के करियर के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण भी मिला। गणित विभाग द्वारा आयोजित यह भ्रमण विद्यार्थियों के समग्र विकास को दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। करें।

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में गणित विभाग द्वारा एम.एससी. गणित (द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) के 44 विद्यार्थियों हेतु एक शैक्षणिक भ्रमण का सफल आयोजन किया गया। यह संपूर्ण भ्रमण गणित विभाग द्वारा स्वंप्रेरित एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया गया, जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. के.के. देवांगन का विशेष मार्गदर्शन एवं नेतृत्व रहा। इस शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत विद्यार्थियों ने सेंटर ऑफ बेसिक साइंस, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने रसायन, भौतिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं तथा पुस्तकालय का अवलोकन किया। इस अवसर पर गणित विभाग, सेंटर ऑफ बेसिक साइंस के विभागाध्यक्ष डॉ. गोविंद प्रसाद साहू द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने शोध के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (I) के युग में गणित की भूमिका तथा समाज में एक अ%छ गणिताज्ञ के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि गणित का मूल आधार स्वयंसिद्ध ,पाप्यडेड होते हैं तथा विभिन्न स्वयंसिद्धों के आधार परगणित के विभिन्न रनदपअमतेमेश् की कल्पना की जा सकती है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने नवा रायपुर स्थित जनजातीय संग्रहालय एवं महादेव घाट का भी भ्रमण किया, जिससे उन्हें सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि से भी समृद्ध अनुभव प्राप्त हुआ। भ्रमण के दौरान विभाग के अतिथि व्याख्याता श्री प्रतीक सिंह ठाकुर द्वारा समूह गतिविधि प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए सहयोग, समय प्रबंधन एवं समूह में कार्य करने के कौशल को विकसित किया। इस भ्रमण में विभागाध्यक्ष डॉ. के.के. देवांगन के साथ अतिथि व्याख्याता श्री प्रतीक सिंह ठाकुर एवं सुश्री रंजना साहू भी उपस्थित रहे। इस शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल शोध के प्रति प्रेरणा प्राप्त हुई, बल्कि उन्हे अपने भविष्य के करियर के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण भी मिला। गणित विभाग द्वारा आयोजित यह भ्रमण विद्यार्थियों के समग्र विकास को दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। करें।